फाल्गुन कृष्ण पक्ष - 13, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 222 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

आज महाशिवरात्रि

दोपहर मेट्रो

भोपाल

15 फरवरी 2026 रविवार

आज का मौसम

31.0 अधिकतम

17.0 न्यूनतम

कोलम्बो में आज शाम 7 बजे से भारत-पाकिस्तान के बीच टी-20 मैच

संडे की हाई वोल्टेज शाम... महामुकाबले की बेसब्री चरम पर

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

आखिरकार वह दिन आ ही गया जिसका बेसब्री से इंतजार हो रहा था। आज टी20 वर्ल्ड कप का सबसे रोचक रविवार रहने वाला है। क्रिकेट में रोचक मुकाबलों की चर्चा होती ही है ,लेकिन जब बात किसी टूर्नामेंट में भारत-पाक भिड़ंत की हो तो यह किसी जंग से कम नहीं होता है। दोनों टीमों के बीच खेला जाने वाला यह सिर्फ एक मैच नहीं, भावनाओं का महायुद्ध होता है। दरअसल, पिछले कई दिनों से मैच के होने या न होने की आशंकाओं के बाद तनाव वाले माहौल में टीम इंडिया कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान का सामना करने वाली है।भले ही आकंड़े कुछ भी बयां करते हों,फिर भी सच तो यही है कि इस मैच में सबकुछ दांव पर होगा। वजह एकदम साफ है कि दोनों ही टीमें एक दूसरे से हार स्वीकार नहीं करना चाहती है। हालांकि इस मैच की जीत हार से मौजूदा वर्ल्ड कप दोनों टीमों की सेहत पर ज्यादा असर नहीं पड़ने वाला है। क्योंकि जीत या हार से सुपर-8 के गणित बदलने की उम्मीद न के बराबर है। मतलब दोनों ही टीमों के लिए इस मैच के मायने मात्र आत्मसम्मान की जंग कहे जा सकते हैं। आईसीसी वर्ल्ड कप में 7-1 की बढ़त वाली टीम इंडिया का पाकिस्तान पर हमेशा से पलड़ा भारी रहा है। पाकिस्तान को इस फॉर्मेट के टूर्नामेंट में पहली और आखिरी जीत 2021 टी20 विश्व कप में ही मिली थी। दोनों टीमों के बीच इस फॉर्मेट का ओवरआल रिकॉर्ड में भी टीम इंडिया 13-3 से काफी आगे है। फिर भी मैच की अहमियत और दोनों टीमों के लिए इसके मायने क्या होते हैं इसका अंदाजा दोनों पक्षों से लगातार हो रही बयानबाजी से लगाया जा सकता है। चूंकि पाकिस्तान टीम को लगातार हार का सामना करना पड़ा है ,इस वजह से उनके कप्तान और पूर्व खिलाड़ी इस मामले में भारतीय खेमे से कहीं अधिक आक्रामक नजर आ रहे हैं। सकलेन मुश्ताक का वह बयान जिसमें पिच को लेकर उन्होंने आशंका व्यक्त की है, यही बताता है कि टीम इंडिया की दहशत का असर पाकिस्तान के चहेतों पर कितना है। तमाम तरह की कयासबाजी से हटकर अगर आज होने वाले इस रोचक मैच की बात करें तो फिर मेरे नजरिये में यह मुकाबला भारतीय बल्लेबाजी बनाम पाकिस्तानी फिरकी गेंदबाजी होने वाला है। ऐसा माना जा रहा है कि हमेशा से अपनी तेज गेंदबाजी पर भरोसा रखने वाली पाक टीम इस मैच में कम से कम 4 विशेषज्ञ फिरकी बॉलर्स की दम पर ही मैदान में उतर सकती है। ऐसे में टॉस की भूमिका भी दिलचस्प रहने वाली है। देखना यह है कि टॉस जीतने वाला कप्तान मौजूदा परिपाटी (रन चेस) से हटकर अपनी ताकत को निर्णायक भूमिका में रखता है या नहीं। टीम इंडिया की एकादश में अभिषेक शर्मा की वापसी के बाद सबसे बड़ा सवाल कुलदीप यादव, अर्शदीप, रिंकू सिंह ओर सुंदर को लेकर रहने वाला है। इन 4 में से 2 खिलाड़ियों को अंतिम एकादश में शामिल करना आज की सबसे बड़ी पहेली कही जा सकती है। वजह एकदम साफ है कि कोलंबो का मैदान बड़ा है और पिच फिरकी के लिए मददगार रहती है। एक बात तो तय है कि पाकिस्तान टीम में फिरकी की विविधता होने की वजह से टीम इंडिया का मैनेजमेंट 8 वें क्रम तक बल्लेबाजी रखने का फार्मूला ही अपनायेगा। मेरे नजरिये में इस मैच में अर्शदीप की जगह कुलदीप यादव ही एकमात्र बदलाव हो सकता है। हालांकि आज के महामुकाबले पर बारिश का साया भी मंडरा रहा है। अगर बारिश ने खेल खराब नहीं किया तो प्रशंसकों को बेहद रोमांचक भिड़ंत देखने को मिल सकती है। इस मैच की जीत दोनों ही टीमों के चाहने वालों के लिए चैंपियनशिप की जीत से कम नहीं रहने वाली है।

न्यूज विंडो

अमेरिका में लापता हुए भारतीय छात्र का शव मिला

बेंगलुरु। अमेरिका में इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री कर रहे कर्नाटक के स्टूडेंट साकेत श्रीनिवासैया का शव मिला है। वो पिछले 6 दिनों से लापता थे। 22 साल के भारतीय छात्र का शव कैलिफ़ोर्निया में मिला है। बता दें कि साकेत श्रीनिवासैया यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया बर्कले में केमिकल और बायोमॉलिक्यूलर इंजीनियरिंग कर रहे था। वो 9 फरवरी को लापता हो गए थे। सैन फ्रांसिस्को में भारतीय कॉन्सुलेट ने कन्फर्म किया है कि पुलिस ने उनके शव को बरामद कर लिया है। उनके शव को जल्द से जल्द भारत वापस लाने के लिए तैयारी की जी रही है।

इंदौर में हादसा, एक के बाद एक तीन मकान गिरे

इंदौर। जूनी इंदौर क्षेत्र के मुराई मोहल्ला में रात एक के बाद एक तीन मकान धंस गए। राहत की बात ये रही कि इसमें किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। रहवासियों ने आरोप लगाया कि नगर निगम द्वारा ड्रेनेज लाइन डालने के लिए की जा रही खोदाई में लापरवाही के चलते मकान गिरे। घटना के बाद मौके पर रात को क्षेत्र में निगम के अधिकारी, पुलिस बल पहुंचा और लोगों को हटाया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे भी मौके पर पहुंचे।

नहीं रहे प्रसिद्ध शिक्षाविद डॉ. भरत छापरवाल

इंदौर। इंदौर के प्रख्यात शिक्षाविद्, बाल रोग विशेषज्ञ और देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. भरत छापरवाल का रविवार सुबह लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वे 86 वर्ष के थे। उनके निधन की सूचना मिलते ही शहर के शैक्षणिक, चिकित्सा और सामाजिक क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई। डॉ. छापरवाल को उनकी सादगी, अनुशासन और संस्थागत सुधारों के लिए जाना जाता था। उन्होंने लंबे समय तक देवी अहिल्या विश्वविद्यालय का नेतृत्व किया। उनके कार्यकाल को विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विस्तार और प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण के स्वर्ण युग के रूप में देखा जाता है।

आज का कार्टून

भारत का बढ़ता दबदबा... इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट से पहले बोले यूएन चीफ

उभरती हुई सफल अर्थव्यवस्था है भारत वैश्विक मामलों में इसकी भूमिका अहम

न्यूयार्क/नई दिल्ली, एजेंसी

तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को लेकर भारत का दबदबा पूरी दुनिया में बढ़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने भी इस पर अपनी मुहर लगाई है। भारत की मेजबानी में हो रही एआई इम्पैक्ट समिट से पहले संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुटेरेस ने कहा है कि भारत वैश्विक मामलों में प्रभाव रखने वाली एक बेहद सफल उभरती अर्थव्यवस्था है और यह एआई शिखर सम्मेलन के लिए उपयुक्त स्थान है। एक विशेष साक्षात्कार में गुटेरेस ने इस बात पर जोर दिया कि कृत्रिम मेधा (एआई) से पूरी दुनिया को लाभ होना चाहिए, न कि यह केवल विकसित देशों या दो महाशक्तियों के लिए आरक्षित विशेषाधिकार हो। यह उच्च स्तरीय कार्यक्रम 16 से 20 फरवरी तक आयोजित होने वाला है जो ग्लोबल साउथ के किसी देश में आयोजित होने वाला पहला एआई शिखर सम्मेलन होगा।

गुटेरेस ने कहा, 'मैं इस शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए भारत को हार्दिक बधाई देता हूं। यह अत्यंत आवश्यक है कि एआई का विकास हर किसी के लाभ के लिए हो और 'ग्लोबल साउथ' के देश भी एआई के लाभ का हिस्सा बनें।' ग्लोबल साउथ से तात्पर्य उन देशों से है जिन्हें अक्सर विकासशील, कम विकसित अथवा अविकसित के रूप में जाना जाता है और ये मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लेटिन अमेरिका में स्थित हैं। गुतारेस भी शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत की यात्रा करेंगे। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है कि एआई पर केवल सर्वाधिक विकसित देशों का विशेषाधिकार हो। गुतारेस की इस टिप्पणी को स्पष्ट रूप से अमेरिका और चीन पर केन्द्रित माना जा रहा है। गुतारेस ने कहा, 'यह बेहद आवश्यक है कि कृत्रिम मेधा मानव जाति के लाभ के लिए एक सार्वभौमिक साधन बने। भारत की भूमिका आज एक बेहद सफल उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में है और यह न केवल वैश्विक अर्थव्यवस्था में बल्कि वैश्विक मामलों में भी लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। एआई की अपार संभावनाओं एवं इसके सभी जोखिमों के साथ सम्मलेन में इस पर गहराई से चर्चा हो।

कुछ विकसित देशों तक ही सीमित न रहें एआई के फायदे

दिल्ली में समिट के लिए कड़ी सुरक्षा

दिल्ली एक बार फिर हाई-प्रोफाइल अंतरराष्ट्रीय आयोजन की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। कल से इंडिया-ढ्ढ इम्पैक्ट समिट के लिए दिल्ली की सड़कों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा इतनी कड़ी है कि इसकी तुलना त्र20 समिट से हो रही है। समिट भारत मंडप में होगी जिसके इलाके में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। ड्रोन हमलों से बचाव से लेकर फेस रिकग्निशन तक कई हाईटेक सिस्टम तैनात किए गए हैं। यह समिट पांच दिन तक चलेगी जिसमे दुनियाभर से टेक एक्सपर्ट्स, नीति निर्माता और उद्योग जगत के दिग्गज शामिल होंगे। वीआईपी मेहमानों के ठहरने वाले 10 होटलों में हर होटल पर करीब 100 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक सुरक्षा में किसी भी तरह की चूक न हो इसके लिए एंटी-ड्रोन सिस्टम, एयर डिफेंस गन और आधुनिक निगरानी तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है।

इंदौर बैंच सुनेगी मामला

धार भोजशाला पर अहम सुनवाई कल

धार, एजेंसी

भोजशाला प्रकरण में 16 फरवरी को उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ में महत्वपूर्ण सुनवाई होनी है। मामले में हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से याचिकाकर्ता आशीष गोयल उपस्थित रहेंगे, जबकि वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन (नई दिल्ली) तथा अधिवक्ता विनय जोशी (इंदौर) पैरवी करेंगे। उल्लेखनीय है कि सर्वोच्च न्यायालय ने भोजशाला से संबंधित मामले में महत्वपूर्ण आदेश पारित करते हुए सुनवाई डिवीजन बेंच से कराने का निर्देश दिया है, जिसकी अध्यक्षता मुख्य न्यायाधीश या वरिष्ठतम न्यायाधीश द्वारा की जाए।

शिवपुरी में वकील की हत्या करने वाले शूटर का शॉर्ट एनकाउंटर

शिवपुरी। जिले में वकील संजय कुमार सक्सेना (57) की गोली मारकर हत्या करने वाले 3 शूटर को पुलिस ने अरेस्ट किया है। गिरफ्तारी के दौरान सुबह एक शूटर से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। शूटर ने पुलिस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में शूटर के पैर में 2 गोलियां लगीं। शॉर्ट एनकाउंटर के बाद पुलिस ने शूटर पपेंद्र रावत को गिरफ्तार किया। घटना करैरा थाना क्षेत्र के चिरली तिराहा के पास की है। आरोपियों में बड़ौनी के घुघसी निवासी गोलू रावत (25), डबरा के चांदपुर निवासी पपेंद्र रावत (23) और बड़ौनी के घुघसी निवासी जहीर मुसलमान (24) शामिल हैं। आरोपी गोली रावत ने शनिवार को कट्टे से पीठ पर गोली मारी थी। एक गोली लगने से वकील की जान गई थी। पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ ने बताया कि वारदात के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमें बनाई गई थी। संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही थी। रविवार सुबह चिरली तिराहा के पास आरोपियों के छिपे होने की सूचना मिली थी।

अमित शाह को लिखा पत्र

अजित पवार विमान हादसे की जांच की मांग

मुंबई, एजेंसी

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के विधायक रोहित पवार ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर 28 जनवरी को हुए विमान हादसे की व्यापक और पारदर्शी जांच की मांग की है। इस विमान हादसे में अजित पवार की मृत्यु हो गई थी। कर्जत-जामखेड के विधायक पवार ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने अपनी चिंताओं को दर्शाते हुए एक प्रेजेंटेशन के साथ केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू और डीजीसीए को ई-मेल भेजा है।

बांग्लादेश में नई सरकार का शपथ ग्रहण 17 को, प्रधानमंत्री मोदी को मिला न्योता

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 17 फरवरी को होने जा रहा है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के मुखिया तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन बांग्लादेश की अंतरिम सरकार करेगी।

इस खास मौके के लिए अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने भारत समेत 13 देशों के नेताओं को न्योता भेजा है। राजनयिक सूत्रों के अनुसार, आमंत्रित देशों की सूची में भारत, चीन, पाकिस्तान, सऊदी अरब, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, मलेशिया, ब्रुनेई, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और भूटान शामिल हैं। शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन संसद के साउथ प्लाजा में होगा। बीएनपी ने हाल ही में हुए आम चुनाव में बड़ी जीत हासिल की है। बीएनपी ने जीत के बाद बधाई संदेश भेजने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का शुक्रिया भी अदा किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पार्टी ने लिखा कि वे भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं। बीएनपी ने आपसी सम्मान और क्षेत्रीय शांति के आधार पर भारत के साथ रिश्तों को आगे बढ़ाने की इच्छा जताई है।

महाशिवरात्रि | रात 2.30 बजे से खुले हैं मंदिर के पट, 10 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान

महाकाल पर 11 फुट का सेहरा, श्रृंगार के लिए तीन क्विंटल फूल

उज्जैन. एजेंसी

महाशिवरात्रि पर्व पर आज उज्जैन में दोपहर बजे तक बजे तक करीब दो लाख से ज्यादा श्रद्धालु भगान महाकाल के दर्शन कर चुके हैं। रविवार होने के कारण भीड़ तेजी से बढ़ रही है। होटल, लॉज और होम-स्टे पहले ही फुल हो चुके हैं। आज ही 10 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। मध्य रात्रि 2.30 बजे मंदिर के पट खोल दिए गए थे ।

प्रथम घंटाल बजाकर मंदिर में प्रवेश किया गया। मंत्रोच्चार के साथ गर्भगृह में स्थापित सभी प्रतिमाओं का पूजन कर हरिओम का जल अर्पित हुआ। कपूर आरती के बाद पंडे-पुजारियों ने जलाभिषेक किया। फिर दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से पूजन किया गया।

महाकाल का दूल्हे के रूप में श्रृंगार करने के लिए 3 क्विंटल फूल मंगाए गए हैं। 100 किलो आंकड़े के फूल, सवा लाख बेल पत्र, 200 किलो देसी फूल से बना 11 फुट का सेहरा बनाया जाएगा। महाकाल को भांग, चंदन और त्रिपुंड अर्पित कर राजा स्वरूप श्रृंगार किया गया। इसके बाद ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म रमाई गई। शेषनाग का रजत मुकुट, रजत की मुंडमाल और रुद्राक्ष की माला के साथ-साथ मोगरे और गुलाब से बनी फूलों की माला अर्पित की गई। तड़के हुई भस्म आरती में प्रवेश पासधारी श्रद्धालुओं के साथ-साथ चलित भस्म आरती के दर्शन भी कराए गए। महाकाल मंदिर समिति का दावा है कि पर्व के दौरान औसतन 40 मिनट में दर्शन कराए जा रहे हैं। परंपरा के अनुसार महाकाल को दिनभर जल अर्पित किया जाएगा। चार पहर की पूजा के चलते मंदिर रात भर खुला रहेगा। सोमवार की रात शयन आरती के बाद करीब 10.45 बजे मंदिर के पट बंद होंगे। यानी करीब 44 घंटे लगातार महाकाल के दर्शन होते रहेंगे।

काशी में पांच किमी लंबी लाइन

काशी में महाशिवरात्रि पर 10 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे हैं। बाबा विश्वनाथ का दूल्हे जैसा श्रृंगार किया गया। सुबह 2ः15 बजे मंगला आरती हुई। बाबा को मोरपंख और रुद्राक्ष की माला पहनाई गई। इसके बाद मंदिर के कपाट भक्तों के लिए खोल दिए गए। अफसरों ने भक्तों पर फूल बरसाए। भक्तों की 5 किलोमीटर लंबी लाइन लगी है। अब तक 4 लाख श्रद्धालुओं दर्शन कर चुके है। बाबा के दर्शन के लिए सिर्फ 2 सेकेंड का वक्त मिल रहा है। बाबा लगातार 45 घंटे दर्शन देंगे। आज वीआईपी प्रोटोकॉल रद्द है। इंतजाम ऐसा किया गया है कि लाइन में लगने के 25 मिनट के अंदर भक्त गर्भगृह तक पहुंच रहे हैं। अमेरिका समेत 10 देशों से विदेशी पहुंचे हैं। कैलिफोर्निया से आए श्रद्धालुओं ने कहा कि बाबा के दर्शन करके काफी अच्छा लगा। रूस की मारियाना ने कहा- हम यहां शिव को समझने के लिए आए हैं। शहर के ज्यादातर होटल, लॉज और धर्मशालाएं हाउसफुल हैं।

नए मतदाताओं ने नाम जुड़वाने जमा किए फार्म छह

मतदाता सूची का शुद्धिकरण पूरा 18 लाख मतदाताओं की सूची तैयार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के 100 दिन पूरे हो गए। इस दौरान मतदाता सूची के शुद्धिकरण का काम पूरा हो गया है। जिसके बाद सात विधानसभा क्षेत्र में लगभग 18 लाख मतदाताओं की सूची तैयार की जा रही है। इसी के साथ शनिवार आधी रात से मतदाता सूची को फ्रीज कर दिया गया। सूची का अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी को होगा। जिले में चार नवंबर को एसआईआर का प्रथम चरण शुरू हुआ था, जिसके तहत सात विधानसभा क्षेत्र बैरसिया, उत्तर, नरेला, दक्षिण-पश्चिम, मध्य, गोविंदपुरा और हुजूर 21 लाख 25,908 मतदाताओं को सत्यापन किया गया। इस दौरान दो हजार 29 मतदान केंद्रों पर इतने ही बीएलओ ने गणना पत्रक वितरित किए थे। जिन्हें मतदाताओं ने वर्ष 2003 की मतदाता सूची में दर्ज स्वयं की या अपने स्वजनों की जानकारी के साथ वापस जमा किया था।

23 दिसंबर को प्रारूप प्रकाशित किया गया था

इस तरह गणना पत्रक डिजिटाइज करने के साथ ही 23 दिसंबर को मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित किया गया था। जिसमें जिले में कुल 16 लाख 87 हजार 33 मतदाताओं का सत्यापन किया गया था, जबकि एक लाख 16 हजार 925 नो मैपिंग और चार लाख 38 हजार 317 ऐसे लोग चिन्हित किए गए जिन्होंने क्षेत्र में निवास करना छोड़ दिया, दो जगह पर उनका नाम था, मर गए थे। दूसरे चरण में नो मैपिंग और तार्किक विसंगति श्रेणी के करीब तीन लाख 59 हजार मतदाताओं का सत्यापन किया गया, जबकि चार लाख 38 हजार एएसडीआर श्रेणी वाले मतदाताओं के नाम काटे गए हैं। इस दौरान दावा-आपत्ति की सुनवाई की गई तो वहीं 85 हजार से अधिक नये मतदाताओं ने सूची में नाम जुड़वाने के लिए फार्म नंबर छह जमा किया है।

86 हजार से अधिक नये मतदाता

सात विधानसभा क्षेत्र में करीब 86 हजार से अधिक नये मतदाताओं ने नाम जुड़वाने के लिए फार्म छह जमा किया है। इनमें से करीब 80 हजार का सत्यापन किया जा चुका है। इस तरह अब तक कुल 16 लाख 87 हजार 33 मतदाताओं का सत्यापन हो चुका है और 80 हजार से अधिक नये मतदाता बढ़ने की उम्मीद है। इससे स्पष्ट है कि जिले के सात विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं की कुल संख्या 18 लाख तक पहुंच जाएगी।

मतदाता सूची को फ्रीज कर दिया गया है

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान मतदाताओं की सुनवाई, सत्यापन आदि का काम पूरा हो चुका है। नये मतदाताओं द्वारा दिए गए फार्म नंबर छह, दावा-आपत्ति के फार्म नंबर सात और संशोधन के लिए आए फार्म नंबर आठ को भी निराकृत किया जा चुका है। मतदाता सूची को फ्रीज कर दिया गया है, 21 फरवरी को राजनीतिक दलों के समक्ष अंतिम सूची प्रकाशित की जाएगी।

3.59 लाख मतदाताओं का हुआ सत्यापन

एसआईआर के दूसरे चरण में नो मैपिंग श्रेणी वाले एक लाख 16 हजार 925 मतदाताओं की सुनवाई के लिए 85 हेल्पडेस्क पर 90 एईआरओ द्वारा सुनवाई की गई। यह वह मतदाता हैं जिनका किसी भी तरह का रिकार्ड 2003 की सूची में नहीं मिला था, ऐसे में सुनवाई के दौरान इनसे एक दस्तावेज मांगा गया था। इसी बीच तार्किक विसंगति वाले दो लाख से अधिक मतदाताओं की संख्या बढ़ गई तो कुल 180 एईआरओ ने सुनवाई शुरू की। इस तरह कुल तीन लाख 59 हजार 561 मतदाताओं का सत्यापन करते हुए अशुद्धियों को दूर किया गया है।

दूसरे चरण में कम हुए 11 हजार मतदाता

एसआईआर के दूसरे चरण शनिवार को खत्म हो गया है, इस दौरान सभी नो मैपिंग व तार्किक विसंगति वाले मतदाताओं की सुनवाई पूरी कर ली गई है। पहले चरण में जहां चार लाख 38 हजार 317 एएसडीआर मतदाता कम किए गए थे तो अब दूसरे चरण में करीब 11 हजार 570 मतदाता कम किए जा रहे हैं। यह ऐसे मतदाता हैं जिनका सुनवाई के दौरान किसी तरह का कोई रिकॉर्ड नहीं मिला है।

हर हर महादेव...

भोपाल। महाशिवरात्रि पर भोजपुर स्थित महादेव मंदिर में भक्त की भीड़ उमड़ रही है। श्रद्धालुओं ने पूजन-अर्चन किया।

राजधानी में भव्य शिव बारात निकाली गई, जो पुराने शहर स्थित शिवालय भवन से प्रारंभ होकर सिंधी मार्केट, जनकपुरी हनुमानगंज, मंगलवारा, ट्रांसपोर्ट एरिया, इतवारा, चिंतामन चौराहा, गणेश चौक, सावरकर चौक लखेरापुरा होते हुए रात में मां भवानी मंदिर पहुंचेगी। जहां वरमाला की रस्म संपन्न होगी। आयोजन समिति के अनुसार बारात मार्ग पर घर-घर पूजन एवं स्वागत की तैयारियां पूरी हो चुकी है।

ऑनलाइन रूम बुक कराने के बाद होटल मैनेजमेंट ने युवक को किया परेशान, अब भरेंगे 15 हजार रुपये हर्जाना

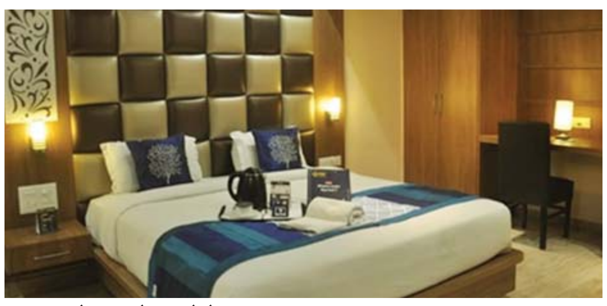

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

होटल बुकिंग वेबसाइट ओयो से एक युवक को लुभावने ऑफर देकर कमरा बुक कराया। जब युवक भोपाल ओयो द्वारा बुक होटल में पहुंचा तो उसे दूसरे होटल में भेज दिया गया और आफर देने से मना कर दिया गया। यही नहीं, बुकिंग भी एक दिन की ही गई। उसके बाद उसे चेकआउट करने के लिए कह दिया गया।

मामला जिला उपभोक्ता आयोग क्रमांक-2 में पहुंचा। आयोग की अध्यक्ष गिरिबाला सिंह व सदस्य प्रीति मुद्गल की बेंच ने मामले में ओयो वेबसाइट के मैनेजर व होटल संचालक को फटकार लगाते हुए 15 हजार रुपये हर्जाना देने का आदेश दिया है। दरअसल, उमरिया जिले के नौरोजाबाद निवासी शिवम पाठक ने 2024 में ओयो वेबसाइट और होटल कैपिटल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

आयोग ने सुनवाई के दौरान कहा कि होटल प्रबंधन ने स्पष्ट जानकारी दिए बिना उपभोक्ता को भ्रमित किया, जो सेवा में कमी और अनुचित व्यापार व्यवहार की श्रेणी में आता है। आयोग ने टिप्पणी की कि युवक परीक्षा देने के उद्देश्य से आया था और होटल की लापरवाही के कारण उसे मानसिक तनाव और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।

जानकारी के मुताबिक शिवम पाठक ने 12 जुलाई 2022 में भोपाल में चार दिन के लिए परीक्षा के दौरान ठहरने के लिए उसने 12 से 15 जुलाई तक के लिए ऑनलाइन माध्यम से होटल में कमरा बुक किया। बुकिंग के समय उसने एक ऑफर के तहत 1,272 रुपये में चार दिन के लिए कमरा आरक्षित कराया था, लेकिन होटल में चेक-इन करने पहुंचा तो होटल प्रबंधन ने उसे बताया कि बुकिंग केवल एक दिन के लिए है।कोई ऑफर नहीं चल रहा है। शेष तीन दिन के लिए उसे प्रतिदिन 1,272 रुपये अतिरिक्त जमा करने होंगे। युवक ने बताया कि इस कारण वह अनावश्यक रूप से परेशान हुआ और परीक्षा के तनाव के बीच उसे ठहरने की चिंता भी सताने लगी। मजबूरी में उसने अतिरिक्त भुगतान कर चार दिन तक परीक्षा दी। इस कारण उसकी परीक्षा भी अच्छी नहीं गई।

जय हिंद सेना ने वैलेंटाइन डे का विरोध कर ब्लैक डे मनाया

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

जय हिंद सेना जिला भोपाल के कार्यकर्ताओं ने वैलेंटाइन डे का विरोध करते हुए पुलवामा में शहीद हुए 40 वीर जवानों को मोमबत्ती जलाकर भारत माता चौराहे पर श्रद्धांजलि अर्पित की और वैलेंटाइन डे मुर्दाबाद अश्लीलता करना बंद करो के नारे बुलंद करके युवाओं ने ब्लैक डे पर प्रेम के नाम पर अश्लीलता फैलाने वालों का विरोध किया कार्यक्रम में अरुण पांडे, आदित्य मिश्रा, प्रिंस पटेल, दिनेश गौर, युवराज सिंह रोहित तिवारी कुणाल प्रजापति कपिल मेहरा सचिन शर्मा पार्टी दर्जनों युवा सम्मिलित रहे। जय हिंद सेना मध्यप्रदेश के अध्यक्ष अरुण पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि 14 फरवरी सन 2019 को पुलवामा आतंकी हमले में हमारे देश के 40 वीर जवान शहीद हो गए थे जिनकी शहादत को याद करते हुए आज मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की उनकी शहादत को नमन करते हुए ब्लैक डे के रूप में संगठन के सभी युवाओं में यह दिन मनाया और वैलेंटाइन डे जैसा दिन जो समाज में अश्लीलता फैलाने समाज की शांति को भंग करने का कार्य करता है ऐसे दिन का विरोध किया।

सम्मान...

भोपाल। स्वतंत्रता सेनानी स्व, विचित्र कुमार सिन्हा की स्मृति में विभिन्न क्षेत्रों के व्यक्तियों का कुक्कुट भवन में आयोजित कार्यक्रम में सम्मान किया गया। इस अवसर पर जनसम्पर्क अधिकारी -लेखक अशोक मनवानी का सम्मान करते अतिथि।

भारत-पाक मुकाबला भीड़ प्रबंधन व सुरक्षा को लेकर प्रशासन सतर्क

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले क्रिकेट मुकाबले को लेकर राजधानी में उत्साह चरम पर है। शहर के कई प्रमुख रेस्टोरेंट, पब, क्लब और कैफे में बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाई गई हैं। युवाओं के लिए विशेष ऑफर, थीम डेकोरेशन और लाइव स्क्रीनिंग की तैयारियां की गई हैं। कई स्थानों पर अग्रिम बुकिंग भी शुरू हो चुकी है और अधिकांश जगहों पर सीटें लगभग फुल बताई जा रही हैं। रेस्टोरेंट संचालकों का कहना है कि भारत-पाक मैच को लेकर जबरदस्त क्रेज है। कुछ पब में डीजे के साथ मैच स्क्रीनिंग की व्यवस्था की गई है, वहीं परिवारों के लिए अलग से बैठने की सुविधा भी बनाई गई है। इधर, प्रशासन और पुलिस ने भी सुरक्षा को लेकर व्यापक तैयारियां की हैं। संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखी जाएगी।

प्रदेश को ड्रोन हब बनाने का सपना नहीं हो रहा साकार

एमपी ड्रोन संवर्धन व उपयोग नीति में 'बम्पर ऑफर', पर रुझान कम

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश को ड्रोन हब बनाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार ने एमपी ड्रोन संवर्धन एवं उपयोग नीति-2025 लागू कर भारी-भरकम सब्सिडी के द्वार तो खोल दिए हैं, लेकिन जमीन पर हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। केन्द्र सरकार की एक रिपोर्ट के अनुसार देश के शीर्ष राज्यों के मुकाबले मध्यप्रदेश में ड्रोन रजिस्ट्रेशन की रफ्तार बेहद सुस्त है। जहां महाराष्ट्र 8,210 ड्रोन के साथ देश में टॉप पर है, वहीं मध्यप्रदेश में यह संख्या महज 480 पर सिमटी हुई है।

राज्य सरकार ने अपनी नई पॉलिसी में निवेशकों के लिए रेड कार्पेट बिछाया है। नीति के तहत ड्रोन निर्माण के लिए 40त तक की कैपिटल सब्सिडी (अधिकतम 30 करोड़ रुपए तक) और रिसर्च एंड डेवलपमेंट के लिए 2 करोड़ रुपए तक के अनुदान का प्रावधान किया गया है। इसके बावजूद, पंजीकरण के मामले में मध्यप्रदेश देशभर में 13वें स्थान पर पिछड़ गया है। यहां तक कि हरियाणा (2,179) और आंध्र प्रदेश (1,876) जैसे राज्य भी हमसे कहीं आगे निकल चुके हैं।

सरकार का दावा है कि ड्रोन नीति से कृषि क्षेत्र में क्रांति आएगी और 8,000 नए रोजगार पैदा होंगे। 'नमो ड्रोन दीदी' और 'सीखो-कमाओ योजना' के जरिए ट्रेनिंग भी दी जा रही है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया और रिमोट पायलट लाइसेंस को लेकर जागरूकता की कमी के कारण लोग आधिकारिक पंजीकरण कराने से कतरा रहे हैं।

वजन के आधार पर होता है ड्रोन का रजिस्ट्रेशन

ड्रोन नियम 2021 के तहत भारत में ड्रोन का वर्गीकरण और पंजीकरण उनके वजन के आधार पर किया जाता है। क्या अन्य प्रकार के ड्रोन भी रजिस्टर्ड होते हैं? इसके संबंध में जानकारी नीचे दी गई है सैन्य ड्रोन ड्रोन नियम 2021 स्पष्ट रूप से उन ड्रोन पर लागू नहीं होते जो भारत की नौसेना, थल सेना या वायु सेना के स्वामित्व में हैं या उनके द्वारा उपयोग किए जाते हैं। इनके लिए सैन्य प्रोटोकॉल के तहत अलग व्यवस्था होती है। बता दें नए निवेश पर 40 फीसदी सब्सिडी और लीज रेंट पर 25 फीसदी की छूट है।

मेट्रो एंकर

करनी पड़ रही यात्रियों को वैकल्पिक साधनों की तलाश

ट्रेनों में नहीं मिल रही कंफर्म सीट, होली पर घर जाना मुश्किल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

होली का त्योहार नजदीक आते ही घर लौटने की चाह हर दिल में जाग उठती है। लोग अपनों के साथ रंगों की खुशियां बांटना चाहते हैं, लेकिन इस बार सफर आसान नहीं है। भोपाल से दिल्ली, मुंबई, बिहार और उत्तर प्रदेश जाने वाली कई प्रमुख ट्रेनों में कंफर्म टिकट मिलना बेहद मुश्किल हो गया है। इंदौर-पटना, कर्नाटका और हमसफर एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों में लंबी वेटिंग लिस्ट और रिग्रेट की स्थिति बनी हुई है। सीट न मिलने से यात्रियों को वैकल्पिक साधनों की तलाश करनी पड़ रही है, जिससे खर्च और परेशानी दोनों बढ़ गए हैं।

हर बार त्योहारों पर वही समस्या, सीट का संकट

होली हो या दिवाली, बड़े त्योहारों के दौरान ट्रेनों में कंफर्म सीट न मिलना अब आम समस्या बन गई है। यात्रा की तारीख से करीब एक महीने पहले ही अधिकांश ट्रेनों में %नो रूम% की स्थिति दिखाई देने लगती है। वेटिंग लिस्ट लंबी हो जाती है और कंफर्म टिकट मिलना मुश्किल हो जाता है। यात्रियों का कहना है कि हर साल त्योहारों के समय यही स्थिति बनती है। मजबूरी में लोगों को तत्काल टिकट का सहारा लेना पड़ता है, जहां भीड़ और अधिक रहती है। कई यात्रियों को घर पहुंचने के लिए बस, फ्लाइट या निजी वाहन जैसे महंगे विकल्प चुनने पड़ते हैं। यात्रियों की मांग है कि त्योहारों से पहले रेलवे को अतिरिक्त या स्पेशल ट्रेनों की घोषणा करनी चाहिए, ताकि भीड़ का दबाव कम हो सके और लोगों को समय पर कंफर्म सीट मिल सके।

इन ट्रेनों में 'रिग्रेट व नो रूम' की स्थिति

श्रीनगर-शिरड़ी-कालका सुपरफास्ट एक्सप्रेस (22455) 28 फरवरी से 5 मार्च तक इस ट्रेन में कंफर्म टिकट उपलब्ध नहीं है। यात्रियों को 'नो रूम' की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है।

कर्नाटका एक्सप्रेस (12627) 28 फरवरी से 5 मार्च तक सभी प्रमुख श्रेणियों में कंफर्म टिकट नहीं मिल रहे हैं।

अहमदाबाद-सहरसा एक्सप्रेस (19483) 25 फरवरी से 2 मार्च तक स्लीपर, 2एसी व 3एसी श्रेणियों में 'रिग्रेट' की स्थिति है।

इंदौर-पटना एक्सप्रेस (19321) 25 फरवरी से 1 मार्च तक स्लीपर, 2एसी और 3एसी में सीटें फुल हैं और रिग्रेट दिखा रहा है।

अहमदाबाद-आसनसोल एक्सप्रेस (19435) 25 फरवरी से 5 मार्च तक सभी प्रमुख श्रेणियों में टिकट उपलब्ध नहीं है।

मंगला लक्षद्वीप सुपरफास्ट एक्सप्रेस (12618) 26 फरवरी से 2 मार्च तक रिग्रेट की स्थिति बनी हुई है।

हमसफर एक्सप्रेस (19092) 25 फरवरी से 5 मार्च तक टिकट बुकिंग में रिग्रेट स्थिति दर्शाई जा रही है।

आगामी एक मई से प्रस्तावित जनगणना के पहले बदलाव संभव

एसआईआर के बाद बदल सकते हैं कई कलेक्टर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) का काम पूरा होते ही प्रदेश में प्रशासनिक स्तर पर बड़े बदलाव की संभावना है। इसके तहत इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा, भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, ग्वालियर कलेक्टर रुचिका चौहान समेत कई जिलों के कलेक्टर बदले जा सकते हैं। कलेक्टरों को हटाए जाने के पीछे प्रशासनिक लापरवाही, पदोन्नति और तीन साल का कार्यकाल पूरा होना मुख्य वजह बताई जा रही है।

हालांकि, इस दौरान विधानसभा का बजट सत्र भी जारी रहेगा, लेकिन माना जा रहा है कि सरकार अफसरों को हटाए जाने के तुरंत बाद नए पदस्थ अधिकारियों की जॉइनिंग की प्रक्रिया भी तेजी से पूरी कराएगी। एक मई से प्रस्तावित जनगणना के पहले इन बदलावों को जरूरी माना जा रहा है।

9 सितंबर 2025 को इंदौर कलेक्टर बनाए जाने से पहले शिवम वर्मा इंदौर नगर निगम के आयुक्त रहे थे। भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई 35 मौतों के मामले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तत्कालीन निगम आयुक्त दिलीप यादव को हटा दिया था। हालांकि इंदौर के जनप्रतिनिधियों और नौकरशाहों का मानना है कि इस पूरे मामले की वास्तविक जिम्मेदारी उस समय प्रशासन संभाल रहे शिवम वर्मा की भी थी। ऐसे में एसआईआर के चलते अब तक बचे रहे शिवम वर्मा को हटाने का फैसला सरकार ले सकती है। कुछ ऐसी ही स्थिति ग्वालियर कलेक्टर रुचिका चौहान के मामले में भी बताई जा रही है। ग्वालियर में पिछले महीने एक मामले में प्रशासनिक लापरवाही के लिए कलेक्टर को जिम्मेदार माना गया था। इसलिए उनके तबादले की भी संभावना जताई जा रही है। चौहान 11 मार्च 2024 से, लोकसभा चुनाव से पहले, यहां पदस्थ हैं। दूसरी ओर भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह सचिव पद पर पदोन्नत हो चुके हैं। ऐसे में उनका तबादला तय माना जा रहा है और उन्हें मुख्यमंत्री सचिवालय या किसी अन्य विभाग में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

लाठीचार्ज विवाद वाले कलेक्टर पर भी नजर

इस संभावित फेरबदल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के शहडोल प्रवास के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज कराने वाले कलेक्टर डॉ. केदार सिंह को भी हटाया जा सकता है। सिंह 13 अगस्त 2024 से शहडोल में पदस्थ हैं। विधानसभा सत्र के दौरान कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर आक्रामक रुख अपना सकती है और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रही है। हालांकि केदार सिंह का इसी वर्ष रिटायरमेंट भी है। यदि राजनीतिक दबाव प्रभावी नहीं रहा, तो उन्हें रिटायरमेंट तक पद पर बनाए रखा जा सकता है।

तीन साल का कार्यकाल पूरा कर चुके कलेक्टर

शिवपुरी कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी 30 जनवरी 2023 से पदस्थ हैं और उनका तीन साल का कार्यकाल पूरा हो चुका है। इसी वर्ष नवंबर में उनका रिटायरमेंट प्रस्तावित है। 1 जनवरी से वे अपर सचिव पद पर पदोन्नत भी हो चुके हैं। सीधी कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी 11 मार्च 2024 से पदस्थ हैं और उनका दो साल का कार्यकाल पूरा होने वाला है। वहीं रीवा कलेक्टर प्रतिभा पाल को अप्रैल में तीन साल पूरे हो जाएंगे। वे 6 अप्रैल 2023 से रीवा में पदस्थ हैं। धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा पहले ही तीन साल से अधिक का कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। वे 14 नवंबर 2022 से धार में पदस्थ हैं और उन्हें किसी बड़े जिले की जिम्मेदारी दी जा सकती है। मैहर कलेक्टर रानी बाटड़ 6 अक्टूबर 2023 से पदस्थ हैं। इसके अलावा मुख्य सचिव कार्यालय में पदस्थ डिप्टी सेक्रेटरी डीके नागेंद्र के भी 20 फरवरी को तीन साल पूरे हो जाएंगे। सूत्रों के मुताबिक प्रदेश के 17 जिलों में पदस्थ महिला आईएएस अधिकारियों और कलेक्टरों में से भी कुछ के तबादले किए जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के खंडवा के पंधाना में लाडली बहना सम्मेलन और विकास कार्यों के भूमि-पूजन और लोकार्पण समारोह में आगमन पर क्षेत्रवासियों ने पारंपरिक रूप से स्वागत-अभिनंदन किया।

सीएम का ऐलान : बनेगा मिनी एयरपोर्ट, शाहपुर को बनाएंगे नगर पालिका

बुरहानपुर में होगी एग्रीकल्चर बेस्ड रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव

» केला उत्पादकों के लिए स्थापित होगी वैल्यू एडिशन, भण्डारण एवं प्रसंस्करण इकाई

» बुरहानपुर सहकारी सूत मिल श्रमिकों को मिलेगी बकाया राशि

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश का चहुंमुखी विकास ही सरकार का एकमात्र लक्ष्य है। आत्मनिर्भर और विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण में हर नागरिक की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि सबको साथ और विश्वास में लेकर हम ऐसे नये मध्यप्रदेश का निर्माण करेंगे, जहां विकास केवल अवसर नहीं, यहां के हरेक नागरिक का अधिकार होगा। सीएम ने यह बातें बुरहानपुर में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने सिंगल क्लिक से 696 करोड़ 37 लाख रुपये लागत के 80 विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण कर बुरहानपुर जिले के समग्र विकास को नई गति दी। उन्होंने कहा कि आज जिन कार्यों की सौगातें मिली हैं, ये जिले को आधुनिक, विकसित और आत्मनिर्भर बनाने में बड़ी भूमिका निभाएंगे।

हमारा प्रण, विकास का प्रकाश पहुंचे प्रदेश के हर कोने तक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश को हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। विकास का प्रकाश प्रदेश के हर कोने, हर गली-मोहल्ले तक पहुंचे, इसी मूल संकल्प के साथ हमारी सरकार सबको साथ और विश्वास में लेकर आगे बढ़ रही है। सरकार अधोसंरचनात्मक और जनकल्याणकारी कार्यों को प्राथमिकता देकर प्रदेश के विकास की गति में निरंतर तेज़ी ला रही है। उन्होंने कहा कि बुरहानपुर का विकास हमारी प्राथमिकता में है। हमने इस जिले को विकसित और समृद्ध बनाने का संकल्प लिया है, जिले की जनता की भागीदारी से हम इसे सिद्ध करेंगे, आने वाला समय इसका साक्षी बनेगा। सीएम ने बुरहानपुर के नेहरू स्टेडियम में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

प्रमुख घोषणाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुरहानपुर में मिनी एयरपोर्ट बनाने की घोषणा की। उन्होंने बुरहानपुर में केला उत्पादक किसानों के हित में वैल्यू एडिशन, भण्डारण एवं प्रसंस्करण के लिए इकाई स्थापित करने, बुरहानपुर में कृषि आधारित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव कराने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में नगर परिषद शाहपुर को परीक्षण उपरांत नगर पालिका का दर्जा दिया जाएगा। बुरहानपुर में वारकरी समुदाय का कीर्तन केंद्र बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हॉर्टीकल्चर सब्जेक्ट अब प्रदेश के सभी महाविद्यालयों में पढ़ाया जाएगा। उन्होंने खामनी से दही हांडी तक पावरलूम उद्योग का प्रमुख केन्द्र है और खामनी से रायगांव एवं शाहपुर से सुखपुरी तक सड़क बनाने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुरहानपुर में युवाओं के लिए कौशल आधारित प्रशिक्षण प्रारंभ किए जाएंगे। राज्य सरकार बुरहानपुर सहकारी सूत मिल श्रमिकों के बकाया भुगतान कराएगी और यहां नए उद्योग-धंधे भी स्थापित करेगी।

बुनकरों का शहर बुरहानपुर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम आज ही लाड़ली बहना योजना की 33वीं किश्त प्रदेश की सवा करोड़ से अधिक बहनों के खाते में अंतरित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि से लेकर कपड़ा निर्माण तक, दवा से लेकर फर्नीचर उद्योग तक, पाइप निर्माण से लेकर कृषि उपकरण निर्माण तक बुरहानपुर का जवाब नहीं। यह जिला पावरलूम उद्योग का प्रमुख केन्द्र है और कपड़ा उत्पादन के कारण बुनकरों के शहर के रूप में बुरहानपुर के नाम से विख्यात है। उन्होंने कहा कि कपड़ा उद्योग की बढ़ती मांग के कारण यहां कपास की खेती भी बड़े पैमाने पर की जाती है। यह खेती किसानों की आय बढ़ाने के साथ उद्योगों को भी मजबूती देती है।

मप्र में 6 महीने में 17 तरीकों से फ्रॉड

साइबर-पुलिस से ठग चार कदम आगे, फौरन बदलते हैं पैटर्न, ठगी के लिए अकाउंट बैलेंस जरूरी नहीं

ठगों के नए-नए हथकंडों ने आमजन के लिए खड़ी कर दी है गंभीर चुनौती

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में पिछले 6 महीने में 17 से ज्यादा तरीकों से ऑनलाइन फ्रॉड हुआ है। यह ठगी के वह तरीके हैं, जिनसे कम से कम 100 से ज्यादा लोगों को ठगा गया है। साइबर पुलिस के एक्सपर्ट जब तक तरीका समझ पाते हैं और उसका तोड़ निकालते हैं, उससे पहले साइबर फ्रॉडस्टर ठगी का पैटर्न बदल लेते हैं। सीधे शब्दों में कहें तो फ्रॉड करने वाले पुलिस से चार कदम आगे हैं। अब APK फाइल्स का इस्तेमाल करके फ्रॉड आम हो गया है। फ्रॉड करने वाले शादी के इनविटेशन कार्ड, RTO ई-चालान की कॉपी या बधाई मैसेज को APK फाइल्स के तौर पर दिखाकर लोगों को टारगेट कर रहे हैं। जरूरी नहीं है ठगी का शिकार वह लोग हो रहे हैं, जिनके अकाउंट में पैसे हैं। ऐसे लोग भी ठगे जा रहे हैं, जिनके अकाउंट खाली पड़े हैं। ऐसे लोगों के नाम पर ठग डेटा हैक कर ऑनलाइन लोन निकाल लेते हैं। किस्त के लिए जब अलर्ट मैसेज आता है तो ठगी का पता चलता है। तकनीकी सुविधाओं के इस दौर में जहां जिंदगी आसान हुई है, वहीं साइबर ठगों के नए-नए हथकंडों ने आमजन के लिए गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है।

इन तरीकों से करें अपना बचाव

- कंप्यूटर और मोबाइल उपकरणों को लगातार अपडेट करते रहें।
- मोबाइल, अकाउंट लॉगिन पर अच्छे और बड़े पासवर्ड डालें।
- फिशिंग/विशिंग हमलों से खुद को बचाएं। मैसेज को न खोलें।
- PK फाइल को ओपन न करें।
- डिजिटल अरेस्ट कॉल में सवाल करें। पुलिस को सूचित करें।
- किसी अंजान नंबर से आए मैसेज के लिंक पर क्लिक न करें।
- किसी को भी अपनी पर्सनल जानकारी न शेयर करें।
- किसी तरह की कोई ओटीपी किसी को शेयर करें।

फ्रॉडस्टर तत्काल बदल लेते हैं तरीका

एक्सपर्ट धर्मेन्द्र शर्मा ने बताया कि फ्रॉडस्टर बेहद चालाक होते हैं। यह लोगों को ठगने के लिए हर कुछ दिन में नया तरीका इजात कर लेते हैं। कभी जॉब, कभी इन्वेस्टमेंट तो कभी लालच में फंसाकर फ्रॉड करते हैं। साइबर पुलिस लगातार फ्रॉडस्टर के पीछे लगी हुई है, लेकिन एक साइबर फ्रॉड की चेन इतनी लंबी होती है कि उसे तोड़ने में समय लग जाता है। ऐसे में जब तक एक तरीके पर लोगों को अवेयर करते हैं तो फ्रॉड करने वाले नए तरीके से ठगी करने लगते हैं। इसमें लोगों को बेहद सावधान रहना होगा। जैसे पैमेंट करने के लिए हमेशा सेफ नेटवर्क का उपयोग करें। कभी भी सार्वजनिक प्लेस पर वाईफाई का उपयोग कर ऑनलाइन पेमेंट न करें। APK फाइल न खोलें और डिजिटल अरेस्ट जैसे फ्रॉड से बचें।

कल से शुरू होगा विशेष जांच अभियान

मप्र में बिना परमिट दौड़ रही बसों पर कसेगा शिकंजा

इंदौर, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश की सड़कों पर नियमों का उल्लंघन कर मनमाने तरीके से चल रही बसों के खिलाफ अब सख्त कार्रवाई की जाएगी। बिना परमिट या निर्धारित रूट का पालन न करने वाले बस ऑपरेटरों पर परिवहन विभाग शिकंजा कसने जा रहा है। नए परिवहन आयुक्त उमेश जोगा के पदभार ग्रहण करने के बाद विभाग ने सख्त रुख अपनाया है और 16 फरवरी से प्रदेशव्यापी विशेष जांच अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है।

इंदौर, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर जैसे प्रमुख शहरों में परमिट उल्लंघन की बढ़ती शिकायतों ने विभाग की चिंता बढ़ा दी है, जिसके चलते विस्तृत डेटा विश्लेषण भी किया जा रहा है। इंदौर में भी विशेष अभियान चलाकर बसों की जांच की जाएगी। पिछले वर्ष भी परिवहन कार्यालय इंदौर ने बसों की लगातार जांच का अभियान चलाया था, जिसमें लगभग 400 बसों पर कार्रवाई की गई थी।

नियमों का उल्लंघन जारी- हालांकि, पूरे साल चले अभियान के बावजूद नियमों का उल्लंघन जारी रहा है। अब एक बार फिर बड़े पैमाने पर जांच की जाएगी। इंदौर से विभिन्न रूटों पर प्रतिदिन लगभग एक हजार बसों का संचालन होता है। इन बसों में निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए परिवहन विभाग विशेष अभियान शुरू करेगा। जांच के दौरान बसों में कमियां पाए जाने पर जब्ती के साथ ही जुर्माने की कार्रवाई की जाती है। लगातार की जा रही कार्रवाई के कारण बस संचालक अपनी बसों की कमियों को दूर कर लेते हैं, जिससे हादसों पर अंकुश लगता है। इसी को ध्यान में रखते हुए परिवहन विभाग जांच अभियान को पुनः शुरू करने जा रहा है। स्लीपर बसों पर भी कार्रवाई की गई है, जिसमें फायर डिटेक्शन एंड सप्रेशन सिस्टम, आपातकालीन द्वार और ड्राइवर केबिन में नियमों के विरुद्ध पार्टीशन को लेकर कार्रवाई की गई है।

मप्र पुलिस सेवा के 9 अधिकारियों के लिए आईपीएस का रास्ता साफ,

अगले महीने पीएससी को प्रस्ताव भेजेगा गृह विभाग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राज्य पुलिस सेवा के नौ अधिकारी इस वर्ष आईपीएस संवर्ग में पदोन्नत होंगे, सभी अधिकारी 1998 बैच के होंगे। पिछली डीपीसी (2024 की) में अमृत मीणा का मामला छानबीन समिति के पास लंबित होने के कारण रोक दिया गया था, उनका पद भी 2025 की डीपीसी में शामिल किया जा सकता है। वहीं, राज्य पुलिस सेवा से पदोन्नत आईपीएस अधिकारी के निधन के चलते एक पद रिक्त हुआ है। इस तरह कुल नौ पदों के लिए डीपीसी होनी है। मार्च अंत या अप्रैल के पहले सप्ताह में पदोन्नत के लिए प्रस्ताव संघ लोक सेवा आयोग को भेजा जाएगा। निर्धारित नियमों के अनुसार नौ पदों के विरुद्ध विचारण क्षेत्र में 27 नाम (तीन गुना) सम्मिलित किए जाएंगे।

एआईजी प्रशिक्षण निमिषा पांडे का दावेदारों में पहला नाम- इनमें 1998 बैच के अतिरिक्त 2000 बैच वाले शामिल होंगे। ग्रेडेशन लिस्ट के अनुसार दावेदारों में पहला नाम एआईजी प्रशिक्षण निमिषा पांडे का है। 1998 बैच बड़ा होने के कारण सभी के पदोन्नत होने में दो से तीन वर्ष लग जाएंगे। राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों का कहना है कि 2025 की डीपीसी उसी वर्ष हो जानी चाहिए थी, लेकिन इसमें शासन की ओर से देरी हो रही है।

डिप्टी सीएम शुक्ल ने दी महाशिवरात्रि की बधाई

भोपाल उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने समस्त प्रदेशवासियों को पावन पर्व महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई दी है। उन्होंने कहा कि महाशिवरात्रि का यह पवित्र पर्व भगवान शिव की आराधना, तप, संयम और आध्यात्मिक जागरण का प्रतीक है। यह उत्सव हमें सत्य, करुणा और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

मेट्रो एंकर

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने बदली परीक्षा प्रणाली

10वीं-12वीं की तर्ज पर अब 9वीं-11वीं में भी दो बार होगी परीक्षा

भोपाल। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल से संबद्ध विद्यालयों में नौवीं व 11वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा अब वर्ष में दो बार होगी। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) द्वारा दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। नए दिशा-निर्देशों के अनुसार अब कक्षा 9वीं और 11वीं में पूरक परीक्षा के स्थान पर द्वितीय वार्षिक परीक्षा आयोजित की जाएगी।

यह व्यवस्था पिछले सत्र से कक्षा 10वीं और 12वीं में लागू है। नई व्यवस्था माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश की परीक्षा प्रणाली के अनुरूप लागू की जा रही है। अधिकारियों का मानना है कि इससे विद्यार्थियों को असफल होने पर बेहतर मौका मिलेगा और पढ़ाई में निरंतरता बनी रहेगी। यह निर्णय विशेष रूप से उन विद्यार्थियों के लिए फायदेमंद माना जा रहा है जो किसी कारणवश वार्षिक परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं या अनुपस्थित रहते हैं।

डीपीआई की ओर से पहली वार्षिक परीक्षा 23 फरवरी से आयोजित की जाएगी। इसके बाद मार्च या अप्रैल माह में द्वितीय वार्षिक परीक्षा आयोजित किए जाने की संभावना है। इसके लिए जल्द ही विस्तृत समय-सारिणी जारी की जाएगी। इस बदलाव से मध्य प्रदेश के करीब 20 लाख विद्यार्थियों पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। डीपीआई ने सभी स्कूलों को नई व्यवस्था के अनुसार तैयारी करने के निर्देश दिए हैं।

इन विद्यार्थियों को मिलेगा मौका

- यदि कोई विद्यार्थी मुख्य वार्षिक परीक्षा में एक या अधिक विषयों में अनुत्तीर्ण होता है या किसी कारणवश परीक्षा में अनुपस्थित रहता है।
- ऐसे विद्यार्थी, जो किसी विषय में उत्तीर्ण हो गए हों, वे भी अंक सुधार के लिए द्वितीय परीक्षा में शामिल हो सकेंगे।
- प्रथम परीक्षा में उत्तीर्ण रहे विद्यार्थी भी एक या एक से अधिक विषयों में द्वितीय परीक्षा में शामिल हो सकेगा।
- प्रायोगिक विषयों में कोई विद्यार्थी प्रथम परीक्षा की प्रायोगिक/आंतरिक परीक्षा के केवल अनुत्तीर्ण भाग में शामिल होने के लिए पात्र होगा।
- द्वितीय परीक्षा में शामिल होने के लिए विद्यार्थी को शुल्क के साथ परीक्षा आवेदन-पत्र भरना अनिवार्य होगा, लेकिन द्वितीय परीक्षा के दौरान विद्यार्थी द्वारा प्रथम परीक्षा में लिए गए विषय में परिवर्तन की अनुमति नहीं होगी।

इस बार पहली बार नौवीं व 11वीं की द्वितीय वार्षिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। इससे विद्यार्थियों को फायदा होगा। वे अपना परिणाम सुधार सकते हैं।
डीएस कुशवाहा, अपर संचालक, डीपीआई।

महाशिवरात्रि

शिव कौन हैं? क्या वे भगवान हैं, या बस एक पौराणिक कथा। या फिर शिव का कोई गहरा अर्थ है, जो केवल उन्हीं के लिए उपलब्ध है जो खोज रहे हैं। भारतीय आध्यात्मिक संस्कृति के सबसे अहम देव, महादेव शिव, के बारे में कई गाथाएँ और दंतकथाएं सुनने को मिलती हैं। क्या वे भगवान हैं या केवल हिन्दू संस्कृति की कल्पना हैं? 'शिव' का शाब्दिक अर्थ है- 'जो नहीं है'।

आदियोगी शिव
पहले योगी और पहले गुरु

आज के आधुनिक विज्ञान ने साबित किया है कि इस सृष्टि में सब कुछ शून्यता से आता है और वापस शून्य में ही चला जाता है। इस अस्तित्व का आधार और संपूर्ण ब्रम्हांड का मौलिक गुण ही एक विराट शून्यता है। उसमें मौजूद आकाशगंगाएं केवल छोटी-मोटी गतिविधियां हैं, जो किसी फुहार की तरह हैं। उसके अलावा सब एक खालीपन है, जिसे शिव के नाम से जाना जाता है। शिव ही वो गर्भ हैं जिसमें से सब कुछ जन्म लेता है, और वे ही वो गुमनामी हैं, जिनमें सब कुछ फिर से समा जाता है। सब कुछ शिव से आता है, और फिर से शिव में चला जाता है।

शिव को 'अस्तित्वहीन' बताया जाता है, एक अस्तित्व की तरह नहीं। उन्हें प्रकाश नहीं, अँधेरे की तरह बताया जाता है। मानवता हमेशा प्रकाश के गुण गाती है, क्योंकि उनकी ऑंखें सिर्फ प्रकाश में काम करती हैं। वरना, सिर्फ एक चीज़ जो हमेशा है, वो अंधेरा है। प्रकाश का अस्तित्व सीमित है, क्योंकि प्रकाश का कोई भी स्त्रोत, चाहे वो एक बल्ब हो या फिर सूर्य, आखिरकार प्रकाश बिखेरना करना बंद कर देगा। प्रकाश शाश्वत नहीं है। ये हमेशा एक सीमित संभावना है, क्योंकि इसकी शुरुआत होती है और अंत भी। अंधकार प्रकाश से काफी बड़ी संभावना है। अंधकार में किसी चीज़ के जलने की जरुरत नहीं, अंधकार हमेशा बना रहता है। अंधकार शाश्वत है। अंधकार सब जगह है। वो एक अकेली ऐसी चीज़ है जो हर जगह व्याप्त है।

शिव - एक ही शब्द के दो अर्थ

तो शिव शब्द 'वो जो नहीं है' और आदियोगी दोनों की ही ओर संकेत करता है, क्योंकि बहुत से तरीकों से ये दोनों पर्यायवाची हैं। ये जीव, जो एक योगी हैं और वो शून्यता, जो सृष्टि का मूल है, दोनों एक ही है। क्योंकि किसी को योगी कहने का मतलब है कि उसने ये अनुभव कर लिया है कि सृष्टि वो खुद ही है। अगर आपको इस सृष्टि को अपने भीतर एक क्षण के लिए भी बसाना है, तो आपको वो शून्यता बनना होगा। सिर्फ शून्यता ही सब कुछ अपने भीतर समा सकती है। जो शून्य नहीं, वो सब कुछ अपने भीतर नहीं समा सकता। एक बर्तन में समुद्र नहीं समा सकता। ये ग्रह समुद्र को समा सकता है, पर सौर्य मंडल को नहीं समा सकता। सौर्य मंडल ग्रहों और सूर्य को समा सकता है, पर बाकी की आकाश गंगा को नहीं समा सकता। अगर आप इस तरह कदम दर कदम आगे बढ़ें, तो आखिरकार आप देखेंगे, कि सिर्फ शून्यता ही हर चीज़ को अपने भीतर समा सकती है। योग शब्द का अर्थ है मिलन। योगी वो है जिसने इस मिलन का अनुभव कर लिया है। इसका मतलब है, कम से कम एक क्षण के लिए, वो पूर्ण शून्यता बन चुका है।

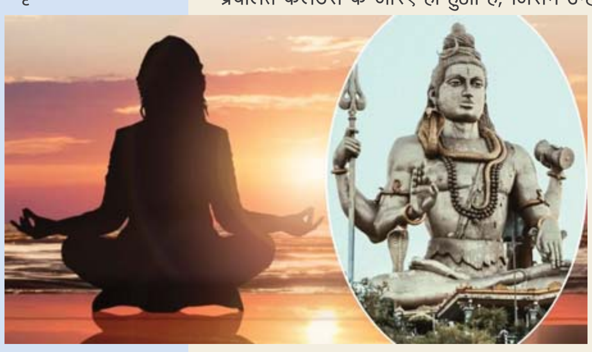

योगी शिव और शून्यता

ये एक तरह के पर्यायवाची हैं, पर फिर भी वे दो अलग-अलग पहलू हैं। क्योंकि भारतीय संस्कृति द्वंद्व से भरी है, इसलिए हम एक पहलू से दूसरे पहलू पर आते-जाते रहते हें। एक पल हम परम तत्व शिव की बात करते हैं, तो अगले ही पल हम उन योगी शिव की बात करने लगते हैं, जिन्होंने हमें योग का उपहार दिया है। यह अफसोस की बात है कि शिव का परिचय ज्यादातर लोगों को भारत में प्रचलित कैलेंडरों के जरिए ही हुआ है, जिसमें उन्हें भरे-भरे गाल वाले नील-वर्णी व्यक्ति के रूप में दिखाया गया है। उसकी वजह सिर्फ इतनी है कि कैलेंडर कलाकारों को इस चेहरे से अलग कुछ सूझा ही नहीं। अगर आप कृष्ण बनाने को कहेंगे, तो कलाकार उसके हाथ में एक बांसुरी थमा देंगे। राम बनाने को कहेंगे, तो उसके हाथ में धनुष दे देंगे। और अगर आप शिव बनाने को कहेंगे तो सिर पर चाँद बना देंगे, बस काम हो गया!

योगिक परंपरा में शिव

योगिक परंपरा में शिव को भगवान की तरह नहीं देखा जाता। वे एक ऐसे जीव थे, जिनके चरण इस धरती पर पड़े और जो हिमालय क्षेत्र में रहे। योगिक परम्पराओं के स्त्रोत के रूप में, मानव चेतना के विकास में उनका योगदान इतना जबरदस्त है कि उन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता। हज़ारों साल पहले, हर उस तरीके की खोज की जा चुकी थी, जिससे मानव तन्त्र को परम संभावना में रूपांतरित किया जा सकता है। इसकी जटिलता अविश्वसनीय है। ये प्रश्न करना, कि उस समय क्या लोग इतने जटिल काम कर सकते थे? कोई मायने नहीं रखता, क्योंकि योग किसी विचार प्रक्रिया या सभ्यता की उपज नहीं है। योग भीतरी बोध से आया है। उनके आस-पास क्या हो रहा था, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। योग उनके भीतर से बाहर आने वाला प्रवाह था। उन्होंने बहुत ही विस्तार से हमें बताया कि मानव तन्त्र के हर मुद्दे का मतलब क्या है और उसमें छुपी संभावना क्या है। जो भी कहा जा सकता था, वो उन्होंने इतने सुंदर और कुशल तरीकों से कहा, कि आप आज भी, उनके द्वारा कही गयी एक भी चीज नहीं बदल सकते। आप पूरा जीवन उसका अर्थ निकालने में बिता सकते हैं।

योग विज्ञान का पहला संचार

दूसरे स्तर पर, जब हम शिव कहते हैं, तो हम एक विशेष योगी की बात कर रहे होते हैं, वे जो आदियोगी या पहले योगी हैं, और जो आदिगुरू, या पहले गुरु भी हैं। आज हम जिसे योगिक विज्ञान के रूप में जानते हैं, उसके जनक शिव ही हैं। योग का अर्थ अपने सिर पर खड़े होना या अपनी सांस को रोकना नहीं है। योग, इस जीवन की मूलभूत रचना को जानने, और इसे अपनी परम संभावना तक ले जाने का विज्ञान और तकनीक है।

योग विज्ञान का पहला संचार कांतिसरोवर के किनारे हुआ जो हिमालय में केदारनाथ से कुछ मील दूर पर स्थित एक बर्फीली झील है। यहां आदियोगी ने, इस आंतरिक तकनीक का व्यवस्थित विवरण अपने पहले सात शिष्यों को देना शुरू किया। ये सात ऋषि, आज सप्तर्षि के नाम से जाने जाते हैं। ये सभी धर्मों के आने से पहले हुआ था। लोगों के द्वारा मानवता को बुरी तरह विभाजित करने वाले तरीके तैयार किये जाने से पहले, मानव चेतना को ऊपर उठाने के सबसे शक्तिशाली साधनों को सिद्ध किया और फैलाया जा चुका था। आज मानवता इस तरह से विभाजित है, कि उसे फिर से एक करना लगभग असंभव लग रहा है।

साभार – ईशा फॉउंडेशन

जीवन-ज्योति

स्थायी आनंद की प्राप्ति के लिए स्वयं को जानना होगा

अवधेशानंद गिरी
आध्यात्मिक गुरु

जीवन में दो चीजें सबसे ज्यादा जरूरी हैं। पहली शांति और दूसरी संतुलन। ये दोनों ही पाना सबसे कठिन काम है। आज जिसे देखिए वो भीतर से अशांत और असंतुलित है। आखिर किन चीजों के कारण लोग अशांत और असंतुलित रहते हैं?

आनंद जीव का मूल स्वभाव है, इसलिए जब हम शाश्वत आह्लाद की खोज कर रहे हों तो यह समझना आवश्यक है कि वह हमें बाह्य जगत से प्राप्त नहीं होगा। शास्त्रों में परमात्मा को सत, चित व आनंद स्वरूप माना गया है। परमात्मा का अंश स्वरूप होने के कारण जीवात्मा में भी वही दिव्य भगवदीय सामर्थ्य विद्यमान है। स्थायी आनंद इंद्रियों से परे आत्मानुभूति का विषय है। बाह्य जगत के वस्तु पदार्थ अस्थिर और अतृप्ति कारक हैं, इसलिए उनसे स्थायी सुख की अपेक्षा करना व्यर्थ है। हमें यह समझना होगा कि प्रसन्नता पदार्थ सापेक्ष नहीं, अपितु चिंतन एवं विचार सापेक्ष है। हम अज्ञान के कारण भौतिकीय उत्कर्ष को ही सुख और समृद्धि का मानक समझते हैं।

अब प्रश्न उठता कि यदि जीव आनंद स्वरूप है तो उसके आसपास दुखों का संसार क्यों दिखाई देता है अथवा हमें शाश्वत आह्लाद की प्राप्ति के लिए कौन-सा पुरुषार्थ करना चाहिए? यह संसार प्रतिपल परिवर्तनशील है। जैसे दिवस को ही रात होना है और रात फिर बदलकर प्रभात बन जाएगी। प्रभात दोपहर में बदलेगा और दोपहर ढलते हुए सांझ बन जाएगी। श्रीमद्भगवद्गीता में योगेश्वर श्रीकृष्ण कहते हैं, 'देहिनोऽस्मिन्यथा देहे कौमारं यौवनं जरा' अर्थात इस देह की भी तीन अवस्थाएं हैं-बाल्यावस्था, युवावस्था और वृद्धावस्था। इसका आशय यह है कि शरीर में भी नित्य परिवर्तन हो रहा है। हमारा मन और बुद्धि भी कहां स्थिर हैं। मन कभी प्रसन्न रहता है और कभी खिन्न। ठीक यही दशा बुद्धि की भी है। जो जगत स्वयं अस्थिर है, नाशवान है और सीमित सामर्थ्य वाला है, उससे अपेक्षा रखना और नश्वर वस्तुओं के प्रति आसक्ति ही मनुष्य के दुख का मूल कारण है। हमें स्थायी आनंद की प्राप्ति के लिए स्वयं को जानना होगा। गीता में अध्यात्म को स्वभाव की यात्रा कहा गया है अर्थात स्वरूप सिद्धि के लिए अथवा जो हम हैं, उसके ज्ञान व आत्मबोध के लिए हमें आध्यात्मिक जीवन शैली का अनुगमन और अनुशीलन करना चाहिए। सुख का मूल स्रोत परमात्मा हैं और वह हमारे भीतर ही विद्यमान हैं। किंतु, बाह्य जगत के झंझावात व इंद्रियों के भ्रमजाल के कारण हम शाश्वत आह्लाद से वंचित और विमुख हैं। इसलिए हमें सत्संग, स्वाध्याय व सद्विचारों का आश्रय लेकर आत्मानुसंधान के लिए तत्पर रहना चाहिए। जीवन का वास्तविक सुख और आनंद यही है।

सितारों की बात

सप्ताह का राशिफल दिनांक 15 फरवरी से 21 फरवरी तक

पंडित विष्णु राजौरिया

मेष: मेष राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे लेकिन घर परिवार की कुछ निजी समस्याएं उनको मानसिक कष्ट दे सकती हैं ऐसे समय में आध्यात्मिक उपाय इष्ट देव की साधना गुरुजनों की शरण जैसे उपाय एवं मार्गदर्शन प्राप्त कर कार्य करने से मन शांत होगा।

वृषभ: वृषभ राशि के जातक आगामी सप्ताह में अपने कार्यों में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे युवा एवं रोजगार की तलाश में जुटे बेरोजगार अपने लक्ष्य के प्रति सजगता रखें तो उनको उत्तम स्टार की सफलता प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं आगामी दिनों में आपको कुछ बड़ी सफलताएं भी मिल सकती हैं भवन भूमि संबंधी कार्यों से आर्थिक लाभ होने के संकेत मिल रहे हैं।

मिथुन: मिथुन राशि के जातक आगामी सप्ताह में कुछ आर्थिक परेशानी का अनुभव कर सकते हैं व्यापार व्यवसाय अथवा जो भी आपका कार्य क्षेत्र है उसे धनागम में कुछ बढ़ाएं उपस्थित हो सकती हैं रुका हुआ धन प्राप्त करने में विलंब एवं जहां से नियमित धन प्राप्त होता है वहां भी कुछ व्यवधान आ सकता है अत: आए और व्यय में संतुलन बनाकर आपसी सामंजस्य बिठाकर वाणी पर विशेष संयम रखकर कार्य करने से सफलता प्राप्त होगी।

कर्क: कर्क राशि के जातक आगामी सप्ताह में भ्रमण मनोरंजन मांगलिक कार्य अथवा धर्म स्थलों की यात्रा में व्यस्त रह सकते हैं आपके घर परिवार के सदस्यों और निजी लोगों के साथ उत्तम स्थान पर भ्रमण करने का अवसर प्राप्त होगा घर परिवार का साथ मिलने से आपके मन में प्रसन्नता का भाव रहेगा व्यापार व्यवसाय करने वाले जातकों को आर्थिक लाभ उत्तम स्टार का होने के संकेत मिल रहे हैं।

सिंह: सिंह राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में संभाल कर चलने की आवश्यकता बनी रहेगी विशेष रूप से आर्थिक कर्म से आपके मन में चिंता अथवा अशांति का भाव रह सकता है निकट के परिजनों की आवश्यकता एवं वर्तमान परिस्थिति जन्य कर्म से आपको कठिनाई का अनुभव होगा ऐसे समय में अपने निकट के मित्रों का सहयोग आपको संबल प्रदान करेगा वरिष्ठ जनों एवं अधिकारियों से सही हो प्राप्त होगा।

कन्या: कन्या राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में मिश्रित सफलता मिलने के संकेत बने हुए हैं आपकी कार्य क्षेत्र में व्यस्त था बढ़ेगी जिम्मेदारी एवं दायित्व पूर्ण स्थान प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं पद प्रतिष्ठा में वृद्धि आई में वृद्धि और उच्च पदस्थ व्यक्तियों से आपकी प्रतिष्ठा बढ़ाने के संकेत मिल रहे हैं।

तुला: तुला राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता मिलने के संकेत हैं यदि आप सामाजिक राजनीतिक एवं राजकीय कार्यों में संलग्न है तो आपका अधिकार क्षेत्र में वृद्धि होगी पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी आए के साधन भी बढ़ेंगे घर परिवार में सुखद और मांगलिक वातावरण निर्मित होने के संकेत मिल रहे हैं।

वृश्चिक: वृश्चिक राशि के जातकों को आगामी सप्ताह हमें उत्तम सफलता मिलने के संकेत मिल रहे हैं आपके द्वारा विगत दिनों किए गए परिश्रम एवं सहयोग से आपके विशिष्ट कार्य संपन्न हो सकते हैं परिणाम स्वरूप मान सम्मान प्रतिष्ठा पदोन्नति जैसे कार्य संपन्न होंगे घर परिवार एवं कार्य स्थल के सहयोगियों के बीच में पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

धनु: धनु राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में भी सावधानी की आवश्यकता बनी रहेगी आपके द्वारा किए गए कार्यों से किसी भी व्यक्ति को असंतोष उत्पन्न हो सकता है अत: अपनी वाणी और अपने कार्यों को नियंत्रित कर कर कार्य करें आर्थिक हानि भी कष्ट दे सकती है आई और व्यय में संतुलन वाणी पर नियंत्रण वाहन आदि चलाने में भी विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता बनी हुई है।

मकर: मकर राशि के जातक विगत दिनों की अपेक्षा इस सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे आपके द्वारा किए गए कार्यों से आपके घर परिवार को सुखद वातावरण मिलेगा साथी कोई विशिष्ट कार्य संपन्न होने से घर परिवार में मांगलिक वातावरण निर्मित होगा।

कुंभ: कुंभ राशि के जातक आगामी सप्ताह में अत्यधिक व्यस्तता का अनुभव कर सकते हैं मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा बढ़ेगी किसी नई विशेष जिम्मेदारी मिलने के भी संकेत मिल रहे हैं कार्यभार की अधिकता में अपने स्वास्थ्य खान-पान एवं दिनचर्या पर संतुलन बनाकर रखने की आवश्यकता वाणी रहेगी।

मीन: मीन राशि के जातकों को अभी भी संभाल कर रहने की आवश्यकता बनी हुई है विशेष रूप से 50 वर्ष की आयु से अधिक उम्र के जातक एवं जाति कैन अपने दिनचर्या में रहन-सहन में अपने कार्यों में विशेष सावधानी रखें किसी भी कारण चोट चपेट अथवा शारीरिक व्याधि आपको परेशान कर सकती है अन्य कार्यों में व्यापार व्यवसाय आर्थिक कर्म में समस्याओं का निवारण होगा।

दिया कबीरा रोय
यहां तो हर चीज़ बिकती है...कहो जी क्या-क्या खरीदोगे?

सुधीर नायक
व्यंग्यकार-ट्रेड यूनियन लीडर

समाज में भ्रांति है।लोग सोचते हैं कि सम्माननीय ही सम्मानित होते हैं। वास्तविकता यह है कि सम्मानित होना एक अलग चीज है और सम्माननीय होना बिल्कुल अलग चीज़ है।सम्मानित होने के लिए सम्माननीय होना जरूरी नहीं है,बल्कि सम्माननीय होना सम्मानित होने में अकसर बाधा ही बनता है।सबसे बड़ी शक्ति है क्रयशक्ति। क्रयशक्ति हो तो सबकुछ हो जाता है।

अभी मैं कल रात की ही बात सुनाता हूं।वे अचानक सम्मानित हो गये।सुबह मैंने फेसबुक पर देखा।फूलमालाओं से लदे हुए,ऊपर से शाल ओढ़े,हाथों में श्रीफल पकड़े,सर थोड़ा तिरछा झुका हुआ,मंद मंद मुस्कुराते।सम्मानित होने का परफेक्ट पोज।मुझे अचरज हुआ।और सच बताऊं तो थोड़ी जलन भी। किस बात पर सम्मान हुआ है-यह समझ में नहीं आया।फेसबुक पर डली पोस्ट में उसका जिक्र नहीं था।मैं उन्हें वर्षों से जानता हूं।विवादित तो थे।अब सम्मानित भी हो गये।आजकल बड़ी दिक्कत है।कब कौन कहां पर सम्मानित हो जायेगा,पता ही नहीं चलता।जब पता चलता है तो बहुत ग्लानि होती है।हमारे आसपास इतना सम्मान योग्य आदमी रहा आया और हम पहचान नहीं पाये। समझ जाते तो हमीं सम्मान कर देते।दूसरे कर भगते हैं,तब हम पछताते हैं।वो तो भगवान भला करे सोशल मीडिया का उससे पता चल जाता है कि अगले मोड़ वाले अमुक जी सम्मानित हो गये।नहीं तो हम उन्हें असम्मानित ही मानते रहते।ये सस्पेंस फिर भी बना

रहता है कि सम्मान किस बात पर हुआ?अब इन्हीं को ले लीजिए।वे मेरे बिल्कुल पड़ोस में ही रहते है।कल भी हम लोग साथ थे।सब्ज़ी साथ में ही खरीदी।उनका थैला छोटा था।उनकी पालक मेरे थैले में थी। मैं उनके घर देकर आया।तब तक ऐसे कोई आसार नहीं थे कि वे सम्मानित होने वाले है।उन्होंने भी नहीं बताया। सुबह जब मेरी नींद खुली तब तक उन्हें सम्मानित हुए 10 घंटे हो चुके थे। मैं भागा भागा उनके घर गया।बधाई दी।मैंने कहा-भाई,कल तुमने बताया नहीं कि सम्मान होने वाला है।वे बोले-अरे,यह कोई नयी बात तो थी नहीं जो बताता। मेरा सम्मान तो होता रहता है।तुम इंस्टा नहीं चलाते इसलिए तुम्हें पता नहीं चलता।इस बार फेसबुक पर डाल दिया तो तुमने देख लिया।तुम्हें अभी पता चला।बाकी सब लोग जानते हैं।मैंने कहा लेकिन किस बात पर सम्मान मिला है-यह नहीं लिखा है।वे हंस पड़े-तुम बिल्कुल नासमझ हो यार।सम्मान के लिए कोई वजह थोड़े चाहिए।अरमान हो तो सम्मान हो जाता है।सम्मान हमारा अधिकार है।वो पुराने जमाने की बात थी।जब सम्मान के लिये वजह जरूरी होती थी।कुछ करना जरूरी होता था।वे दकियानूसी बातें थीं।उस जमाने के लोग बहुत दुष्ट थे।सम्मान के चक्कर में जीना हराम कर देते थे।बहुत घिसवाते थे।जी तोड़ मेहनत करवाते थे।जमाने भर का त्याग करवाते थे।तब कहीं जाकर बुढ़ापे में सम्मान देते थे दो चार साल के लिए। सम्मान के चक्कर में जिंदगी बर्बाद हो जाती थी।गनीमत है कि अब वो जमाना नहीं रहा।अब बहुत सहूलियत है। हर आदमी को सम्मानित होने की सुविधा है।अब अपनी मर्जी पर है।जब चाहो सम्मानित हो जाओ।मैं चौंका और मन में लालच भी जागा। मैंने कहा-अपनी मर्ज़ी पर? वो कैसे? वे बोले-अब सम्मान के लिये के लिए काम नहीं चाहिए दाम चाहिए।काम में हाथ नहीं डालना पड़ता जेब में हाथ डालना पड़ता।बोलो-तुम्हारा करवा दूं।बस,शाल श्रीफल हार फूल का कर देना।टेंट तंबू तो चीफ गेस्ट का रहता है।वैसे मैं एक बात बताऊं,पचास पचपन के बाद साल में एकाथ बार सम्मान करवाते रहना चाहिए।उससे मन प्रसन्न रहता है।तनाव दूर होता है।वे मेरे मन में कीड़ा डालकर चले गये।मेरा मन तभी से ललक रहा।ये रस्ता सस्ता है।

अजब - गजब
धरती पर मंगल ग्रह का अहसास , सालों से जलती आग के बीच 'नरक का दरवाजा'

हमारी पृथ्वी में कई ऐसी जगहें हैं, जो हमारी कल्पना से परे हैं । हम जितना पृथ्वी के बारे में जानने की कोशिश करते हैं, वो हमें हर बार आश्चर्यचकित कर देती है। कहते हैं कि स्वर्ग और नरक दोनों ही पृथ्वी पर है। जब हम स्वर्ग के बारे में सोचते हैं, तो हमारे दिमाग में सब खूबसूरत चीजें आती है, लेकिन जब हम नरक के बारे में सोचते हैं, तो अंधेरा और आग की लपटें दिखाई देती है। अगर हम आपसे कहें, कि जैसा आप सोच रहे हैं, वैसा ही नरक धरती पर मौजूद है, तो क्या आप यकीन कर पाएंगे? भले ही आप यकीन न करें, लेकिन ये सच है।

इस जगह का नाम 'दरवाजा गैस क्रेटर' है। जिसे पूरी दुनिया 'नरक का दरवाजा' यानी 'गेटवे टू हेल' के नाम से भी जानती है। यही नहीं, इसके अंदर जाने वाले एक शख्स ने बताया था, कि ये मंगल ग्रह जैसा लगता है। 'दरवाजा गैस क्रेटर' तुर्कमेनिस्तान में है। जो की राजधानी अश्गाबात से 260 किलोमीटर दूर काराकुम रेगिस्तान के दरवेज गांव में मौजूद है। साल 1971 में इस जगह की खोज हुई थी और तब से लेकर अब तक यहां आग जल रही है। दुनिया भर के साइंटिस्ट रिसर्च कर रहे हैं।

क्यों जल रही है इसमें आग: 'दरवाजा गैस क्रेटर' में लगातार आग जलने की पीछे पूरी तरह से साइंस है। जिस रेगिस्तान में ये गड्ढा है, उसे दुनिया का सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस का भंडार कहा जाता था। ऐसे में ये रेगिस्तान मिथेन गैस और आग से भरा हुआ है। बता दें, ,सालों से यहां पर आग 1000 सेल्सियस के तापमान पर जल रही है। माना जाता है कि साल 1971 में सोवियत संघ के वैज्ञानिक तुर्कमेनिस्तान आए थे। जहां वे यहां पर तेल और गैस की खोज कर रहे थे। अचानक उनका ड्रिलिंग एक बड़े गैस भंडार में घुस गया, जिसके बाद वहां की जमीन धंस गई। जब जमीन धंसी, तो उस समय वैज्ञानिकों ने पाया कि, इस गड्ढे से जहरीली मीथेन गैस निकल रही है। बता दें, मीथेन एक शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैस है, जिससे पर्यावरण पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है। ऐसे में वैज्ञानिकों ने उस समय सोचा कि इस गड्ढे में आग लगा देते हैं, जैसे ही मीथेन गैस खत्म होगी, आग बुझ जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

न्यूज विंडो

70 दिव्यांग विद्यार्थियों को मिले पांच लाख रुपए के उपकरण

सिरोंज। दिव्यांग छात्र-छात्राओं को उपकरण वितरण कार्यक्रम में पहुंचे विधायक उमाकांत शर्मा विभागीय स्तर पर दिव्यांगों को मिल रही सुविधाओं से भी रूबरू हुए। कार्यक्रम में मौजूद दिव्यांगों पर फूल बरसाने के बाद विधायक ने सभी को उनकी जरूरत के मुताबिक उपकरण प्रदान किए। सहायक परियोजना प्रबंधक ज्योति केदार से दिव्यांगों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं और समस्याओं की जानकारी देने के लिए मंच पर बुलाया। सहायक परियोजना प्रबंधक ने कहा कि मानसिक दिव्यांग को कक्षा 1 से 8 तक शिक्षा प्रदान करने के लिए तो शासन स्तर पर व्यवस्था है लेकिन इसके बाद कई दिव्यांग पढ़ाई छोड़ देते हैं। इसके लिए जिला स्तर पर व्यवसायिक प्रशिक्षण केन्द्र बनाए जाना चाहिए। विधायक ने सिरोंज में दिव्यांगों के शिक्षण के लिए संधारण भवन बनाने के लिए 5 लाख रूपए प्रदान करने की घोषणा कर दी। यह भवन बीआरसी भवन के पास ही बनेगा। विधायक ने भवन निर्माण के बाद दिव्यांगों के लिए अन्य सुविधाएं दान के माध्यम से जुटाने की बात भी इस दौरान कही।

जय हो समिति ने पुलवामा शहीदों की याद में निकाला कैंडल मार्च

नर्मदापुरम। पुलवामा हमले में शहीद वीर जवानों को याद करने के लिए जय हो सामाजिक कल्याण समिति ने शनिवार शाम को भावपूर्ण कैंडल मार्च आयोजित किया। मार्च आजाद चौक मालाखेड़ी से शुरू होकर विश्वकर्मा मंदिर व छोटा चौराहा होते हुए पुनः आजाद चौक पर समाप्त हुआ।हाथों में मोमबत्तियां व मशालें थामे बड़ी संख्या में नागरिक, युवा व सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। शहीदों के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा गया। सभी ने शहीदों के बलिदान को नमन करते हुए राष्ट्र की एकता व अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया।समिति पदाधिकारियों ने कहा कि वीर जवानों का त्याग सदैव स्मरणीय रहेगा और यह राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरणा बनेगा। इस अवसर पर सेना के पूर्व जवान सूबेदार दिनेश सिंह चौहान, हवलदार सुरेन्द्र सिंह, हवलदार दुर्गेश राजपूत, हवलदार सुनील बर्दिया, हवलदार बलवंत, सूबेदार रामेश्वर चौहान सहित धनपाल तोमर, लोकेश तिवारी, महेश चौकसे, सागर शिवहरे, अभय वर्मा, राजेश अत्रे, रामनरेश सिंह चौहान, अमीन राइन, महेश बावरिया, दौलत राम यादव, बंटी यादव, अजय शर्मा, माखन कीर, गोलू राजपूत, प्रज्वल राजपूत, पीयूष गुप्ता, शिवम गोस्वामी, सोमू पटेल, अंकित साहू उपस्थित रहे।

वार्षिक पुरस्कार वितरण एवं विदाई समारोह हर्ष और भावुकता के साथ संपन्न

गंजबासौदा। समीपस्थ सेमरी स्थित भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सभाकक्ष में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह एवं कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों का विदाई समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य वक्ता प्रखर राष्ट्रवादी विचारक एवं योग गुरु सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह दिन विद्यालय परिवार के लिए मिश्रित भावनाएं लेकर आता है। एक ओर विद्यार्थियों के जीवन के नए और बड़े अध्याय की शुरुआत की खुशी है, वहीं उन्हें विदा करते समय मन भावुक भी हो उठता है। पालक-शिक्षक संघ अध्यक्ष चतर सिंह लोधी ने कहा कि विदाई अंत नहीं, बल्कि एक भव्य नए अध्याय की शुरुआत है। विद्यालय की स्मृतियाँ जीवनभर की अमूल्य पूँजी होती हैं। विदाई समारोह में कक्षा 6 एवं 7 के विद्यार्थियों ने कक्षा 8 के छात्रों को नाम लिखे हुए टाइटल, दोहे, लोकोक्तियों एवं मुहावरों से सुसज्जित आकर्षक ग्रीटिंग कार्ड, पुष्पमालाएं और सुंदर गुलदस्ते भेंट किए। कार्यक्रम को यादगार बनाने के लिए विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से नृत्य एवं गायन की मनोहारी प्रस्तुतियाँ दीं। कक्षा 8 के विद्यार्थियों को उपहार स्वरूप नीलकंठेश्वर मंदिर की तस्वीर प्रदान की।

वैलेंटाइन डे पर पुतला दहन कर 14 फरवरी को बताया काला दिवस

गंजबासौदा। वैलेंटाइन डे के विरोध में शनिवार को शिवसेना कार्यकर्ताओं ने जय स्तंभ चौक पर पुतला दहन कर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि संगठन प्रेम का विरोध नहीं करता, बल्कि प्रेम के नाम पर फैल रही अश्लीलता और पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण का विरोध करता है। वक्ताओं ने कहा कि आज का युवा भारतीय संस्कृति और परंपराओं से दूर होता जा रहा है तथा विदेशी सभ्यता को अपना रहा है। शिवसेना ऐसा होने नहीं देगी। उन्होंने 14 फरवरी को 'काला दिवस' बताते हुए कहा कि इसी दिन देश के क्रांतिकारी वीर भगत सिंह ,शिवराम राजगुरु, सुखदेव थापर को फांसी की सजा सुनाई गई थी। साथ ही पुलवामा अटैक में 40 जवान शहीद हुए थे, जिससे अनेक परिवारों में शोक छा गया था। पदाधिकारियों ने कहा कि यह दिन देश के लिए बलिदान और शोक की स्मृति का दिन है, इसलिए इसे उत्सव के रूप में नहीं मनाया जाना चाहिए। उन्होंने घोषणा की कि शिवसेना भविष्य में भी 14 फरवरी को काला दिवस के रूप में मनाती रहेगी। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष विजेंद्र देवा लोधी, जिला मंत्री जितेंद्र कुशवाहा, जिला मीडिया प्रभारी नीरज जैन, नगर अध्यक्ष अनिकेत राजपूत, पंचवीर अध्यक्ष नारायण कुशवाहा, गुरोद अध्यक्ष हिमांशु कुशवाहा, राहुल लोधी सहित अनेक पदाधिकारी व सैकड़ों शिवसैनिक उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि: पचमढ़ी में शिवभक्ति के लिए उमड़ा भक्तों का सैलाब

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

सतपुड़ा की रानी पचमढ़ी आज पूरी तरह भगवान शिव की भक्ति में डूब गई है। 6 फरवरी से शुरू हुए दस दिवसीय महाशिवरात्रि मेले का मुख्य दिन होने के कारण हजारों श्रद्धालु चौरागढ़ मंदिर समेत प्रमुख शिव धामों में पहुंच रहे हैं। देर रात तक हजारों का आंकड़ा लाख में बदल जायेगा।

ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचते-गाते हर-हर महादेव के जयकारे लगाते हुए बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे उत्साह से भरे हुए हैं।बता दे कि चौरागढ़ मंदिर, जो 1325 मीटर ऊंची पहाड़ी पर विराजमान है, भक्तों का मुख्य केंद्र बना हुआ है। वजनी त्रिशूल लेकर श्रद्धालु कठिन चढ़ाई चढ़ रहे हैं। इसके अलावा बड़े महादेव, छोटा महादेव, गुप्त महादेव और जटाशंकर मंदिर में भी दिन भर दर्शन का सिलसिला जारी रहेगा । रोजाना हजारों भक्त आशीर्वाद लेने उमड़ रहे हैं। प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस बल तैनात है, साथ ही मेडिकल सुविधाएं और ट्रैफिक प्रबंधन भी सुनिश्चित किया गया है। यह आस्था का महाकुंभ पचमढ़ी की पवित्रता को और निखार रहा है

मंडीदीप और औबेदुल्लागंज में 108 सेवा की लचर व्यवस्था

एम्बुलेंस के इंतजार में घंटों तड़पते हैं मरीज, समय पर नहीं मिलता इलाज

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

ब्लॉक में इन दिनों इमरजेंसी में स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने वाले 108 की सुविधा भगवान भरोसे चल रही है। मामला सिविल अस्पताल से मरीजों को रेफर करने का हो या हादसों में घायलों को अस्पताल पहुंचाने का सभी जगह मरीजों को कॉल करने के बाद एक एक घंटे इंतजार करना पडता है। यह स्थिति तब है जब ब्लॉक में मंडीदीप सहित तीन 108 एम्बुलेंस तैनात है, बावजूद इमरजेंसी में मरीजों को समय पर सहायता नहीं मिल रही है। सिविल अस्पताल मंडीदीप में शनिवार दोपहर एक वृद्ध महिला को खून की उल्टी हो रही थी, वहीं थोड़ी देर बाद महिला अस्पताल पहुंची जिसने चूहामार दवा खा ली थी। दोनों मरीजों की स्थिति गंभीर होने पर उन्हें भोपाल रेफर करना था, लेकिन 108 एम्बुलेंस को कॉल करने के एक घंटे बाद भी जब गाड़ी अस्पताल नहीं पहुंची तो इस मरीजों के परिजनों ने अस्पताल स्टाफ को न केवल खरी-खोटी सुनाई बल्कि उनके साथ अभद्र व्यवहार भी किया। औबेदुल्लागंज ब्लॉक में मंडीदीप, ओबेदुल्लागंज सहित सुल्तानपुर लोकेशन पर तीन 108 एम्बुलेंस तैनात है, जिनका निर्धारित रिस्पांस टाइम महज 18 मिनट है, लेकिन विभाग की लचर व्यवस्था के चलते 108 को आने में समय लगता है। ऐसी देरी से कई बार मरीजों की जान खतरे में पड़ जाती है। स्थानीय निवासियों में इस लचर व्यवस्था को लेकर भारी आक्रोश है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि 108 सेवा को मजबूत किया करने के साथ क्षेत्र में वाहनों की संख्या बढ़ाई जाये ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों और मरीजों को तुरंत उपचार मिल सके।

एम्बुलेंस उपलब्ध, लेकिन चालक नहीं

सिविल अस्पताल मंडीदीप में मरीजों की सुविधा के लिए भोजपुर विधायक पटवा ने तीन साल पहले एक एम्बुलेंस उपलब्ध कराई थी, लेकिन पिछले तीन वर्षों से चालक की नियुक्ति न होने के कारण यह सुविधा पूरी तरह प्रभावित है। आपात स्थिति में औबेदुल्लागंज से चालक बुलाया जाता है, जिससे अक्सर देरी हो जाती है। 108 एम्बुलेंस के मीडिया प्रभारी तरुण सिंह से जब इस लचर व्यवस्था को लेकर सवाल किया तो उन्होंने पहले यह मानने से इंकार कर दिया कि समय पर वाहन नहीं पहुंचते है, जब शनिवार सिविल अस्पताल के केस का जिक्र किया तो उनका नम्बर मांगने लगे।

> 108 एम्बुलेंस सेवा सिविल अस्पताल द्वारा नहीं चलाई जाती, इसका अलग विभाग है। जहां तक अस्पताल की अपनी एम्बुलेंस की बात है, तो उसके लिए चालक उपलब्ध नहीं है।
>
> **-डॉ. शलभ तिवारी,**
> प्रभारी सिविल अस्पताल मंडीदीप

> रायसेन जिला मुख्यालय पर 108 सेवा में तैनात प्रभारी को हटाकर अन्य व्यक्ति को तैनात किया है, हमारा प्रयास है कि किसी मरीज को इसके चलते असुविधा न हो।
>
> **-डॉ एच एन मानरे,** जिला स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी रायसेन

सोहागपुर में 24.30 किमी सड़क निर्माण का किया भूमि पूजन

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

सोहागपुर विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीण विकास को गति देने के उद्देश्य से लगभग 24.30 किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण कार्य का भूमि पूजन मुख्य अतिथि विधायक विजयपाल सिंह के करकमलों से संपन्न हुआ। यह सड़क ग्राम जर्रन, बोदी पंचवटी, सोहागपुर, निभोरा, रेनीपानी, मंगरिया, पाठई एवं सारंगपुर को जोड़ेगी। लगभग 2762.40 लाख की लागत से प्रस्तावित यह सड़क केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास, आर्थिक गतिविधियों के विस्तार और नई संभावनाओं के सृजन का मार्ग मानी जा रही है। इसके निर्माण से ग्रामीण अंचलों में आवागमन सुगम होगा, व्यापार को प्रोत्साहन मिलेगा और स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक विजयपाल सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सड़कें विकास की जीवनरेखा होती हैं। जहां अच्छी सड़कें पहुंचती हैं, वहां प्रगति और समृद्धि स्वयं पहुंच जाती है। विधायक ने क्षेत्रवासियों को आश्वस्त किया कि सोहागपुर विधानसभा में विकास कार्यों की गति निरंतर जारी रहेगी और हर गांव को मुख्य मार्गों से जोड़ने का लक्ष्य चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निर्माण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। विद्यार्थियों को स्कूल बैग वितरित किए गए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष अश्वनी सरोज, योगेश मालवीय, नगर परिषद उपाध्यक्ष आकाश रघुवंशी, पार्षद गौरव पालीवाल, यशवंत पटेल सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, संबंधित विभागीय अधिकारी, ग्रामवासी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नर्मदा रत्न 2026: निशांत सरयाम बने चैंपियन

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम युवा मंडल एवं जिला बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित स्व. आनंद सोलंकी मेमोरियल संभाग स्तरीय बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप नर्मदा रत्न 2026 में नर्मदापुरम के निशांत सरयाम ने चैंपियन बनकर नर्मदा रत्न का खिताब जीता। देर रात तक चले रोमांचक मुकाबलों में बॉडी बिल्डरों ने देशभक्ति धुनों पर शानदार प्रदर्शन किया। मुख्य विजेता नर्मदा रत्न 2026 निशांत सरयाम (नर्मदापुरम) - मिर्जा जमाल से कड़ी टक्कर के बाद मांसपेशियों का बेहतरीन प्रदर्शन किया। बेस्ट पोजर- मिर्जा जमाल, बेस्ट मस्कुलर मैन- हकीम खान (बैतूल), बेस्ट इम्प्रूव बॉडी- ज्योंल नटरन (इटारसी) को मिला।विजेताओं को नगद पुरस्कार व ट्रॉफी प्रदान की गई।आयोजन व उद्घाटनअग्निहोत्री गार्डन में शनिवार को इंडियन बॉडी बिल्डर्स फेडरेशन व राज्य शरीर सौष्ठव संस्था मध्यप्रदेश के तत्वावधान में चैंपियनशिप हुई। उद्घाटन खादी ग्राम उद्योग के पूर्व अध्यक्ष जीतेन्द्र लिटोरिया ने स्वामी विवेकानंद चित्र पर दीप प्रज्वलन से किया। पुलवामा शहीदों को श्रद्धांजलि, सैनिकों का सम्मान व खेल प्रतिभाओं को अलंकरण अवार्ड दिए गए। प्रमुख अतिथिगणराज्यसभा सांसद माया नारोलिया सहित जिला सहकारी बैंक पूर्व अध्यक्ष भरतसिंह राजपूत, पूर्व नपाध्यक्ष अखिलेश खंडेलवाल, विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव, एसडीओपी जीतेन्द्र पाठक, एसोसिएशन अध्यक्ष मुकेश जैन व सचिव विजय दिवोलिया ने विजेताओं को सम्मानित किया। संचालन दीपक महालहा, आभार मनीष परदेशी ने किया। बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

वीडियो वायरल: बदनावर में बच्चा चोरी की अफवाह पर ग्रामीणों ने साधु-संतों को पीटा

धार। दोपहर मेट्रो

बदनावर तहसील के ग्राम बखतगढ़ में शनिवार को बच्चा चोरी की अफवाह के चलते सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने अपहरण के संदेह में राजस्थान से आए पांच साधु-संतों को पकड़कर उनकी जमकर पिटाई कर दी। हालांकि पुलिस की जांच में अपहरण या बच्चा चोरी की कोई भी पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यह केवल एक गलतफहमी और अफवाह है।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो और ग्रामीणों के अनुसार, बखतगढ़ में तीन लोग कुछ छात्राओं के पास देखे गए थे। बताया जा रहा था कि वे छात्राओं के अपहरण का प्रयास कर रहे हैं। छात्राओं के डरकर शोर मचाने पर ग्रामीण बड़ी संख्या में एकत्र हो गए और दो महिलाओं सहित पांच लोगों को पकड़ लिया। आक्रोशित ग्रामीणों ने इनके साथ मारपीट भी की। सूचना मिलते ही बदनावर पुलिस मौके पर पहुंची और पांचों संदिग्धों को भीड़ से बचाकर थाने ले आई। घटना की पुष्टि करते हुए एसडीओपी बदनावर अरविंद तोमर ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोग राजस्थान के भीलवाड़ा और राजसमंद जिले के निवासी हैं। उन्होंने कहा, ये लोग साधु-संत हैं जो भिक्षा मांगकर अपना जीवन यापन करते हैं। ये जब भी किसी क्षेत्र में जाते हैं, तो पहले थाने पर अपनी सूचना देते हैं। बखतगढ़ में ये छात्राओं को आशीर्वाद दे रहे थे, जिसे छात्राओं ने गलत समझा और डर गईं। अपहरण जैसी कोई घटना नहीं हुई है। बदनावर थाना प्रभारी अमित सिंह कुशवाह ने बताया कि ग्रामीणों के संदेह पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने पांचों को हिरासत में लिया था। जांच में पाया गया कि ये लोग पहले ही अपनी आमद थाने में दर्ज करा चुके थे और पुलिस इन्हें पहचानती है। उनके पास से कोई संदिग्ध वस्तु भी नही पाई गई है। बच्चा चोरी की खबरें पूरी तरह निराधार हैं। हिरासत में लिए गए लोग राजस्थान के साधु हैं। जनता से अपील है कि किसी भी सोशल मीडिया अफवाह पर ध्यान न दें। यदि कहीं भी कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखाई देता है, तो नागरिक स्वयं कानून हाथ में लेने के बजाय तुरंत 100 डायल या नजदीकी पुलिस स्टेशन को सूचित करें।

मेट्रो एंकर

घाटी में मादल की थाप के साथ गंगा महादेव से भगोरिया का आगाज

आस्था और आदिवासी संस्कृति का संगम गंगा महादेव से भगोरिया की शुरुआत

धार। दोपहर मेट्रो

नगर से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित प्राचीन पांडवकालीन गंगा महादेव शिवालय की पहाड़ियों से आदिवासी लोकपर्व भगोरिया उत्सव का पारंपरिक शुभारंभ हुआ। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर यहां एक दिवसीय मेले का आयोजन किया जा रहा है। भगोरिया पर्व की शुरुआत गंगा महादेव शिवालय से चल रही है। जिले के विभिन्न गांवों से आदिवासी समाज के मादल दल रंग-बिरंगी पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे यहां पहुंच रहे हैं। जैसे ही घाटी में मादल (डोल) की थाप से पूरा क्षेत्र आदिवासी संस्कृति, उल्लास और उत्साह से सराबोर हो उठा।

मान्यता है कि पांडवों ने अमका-झमका तीर्थ अमझेरा की यात्रा से पूर्व गंगा महादेव की पहाड़ी के नीचे स्थित गुफा में विश्राम कर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की थी। आज भी यहां पहाड़ों के नीचे गुफा में प्राचीन शिवलिंग स्थापित है, जहां से पहाड़ियों से झरने का जल प्रवाहित होता है। सैकड़ों वर्ष पुराने वृक्षों से घिरा यह परिसर श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। ग्राम पंचायत सुल्तानपुर, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और दानदाताओं के सहयोग से विगत वर्षों में शिवालय का जीर्णोद्धार किया गया है। पिछले तीन वर्षों में मंदिर परिसर का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है, जिससे यहां श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि हो रही है।

अमझेरा के बाबा वैजनाथ महादेव पर विशेष अभिषेक

रुद्राभिषेक, रामायण पाठ से सजेगा शिवरात्रि महोत्सव - श्रीकृष्ण-रुक्मणि हरण स्थल अमका झमका तीर्थ स्थित वैजनाथ महादेव गुफा में भी महाशिवरात्रि का पर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। यहां बाबा वैजनाथ महादेव का आकर्षक श्रृंगार कर रुद्राभिषेक किया। साथ ही रामायण पाठ और पूजा-अर्चना शुरू हुई।

लोक संस्कृति की जीवंत परंपराओं को सहेजने का माध्यम

गंगा महादेव से शुरू होने वाला भगोरिया उत्सव और शिवरात्रि का यह संयोग न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि आदिवासी लोकसंस्कृति की जीवंत परंपराओं को भी सहेजने का माध्यम है। मादल की थाप, पारंपरिक नृत्य और शिवभक्ति तीनों मिलकर क्षेत्र को उत्सवमय बना देंगे।

महाशिवरात्रि विशेष: 800 साल पुराना है शिव मंदिर, अनोखी है इससे जुड़ी कहानी, लक्ष्मी बाई खेर ने कराया था निर्माण

रानी का पटनेश्वर स्वप्न धाम, जहां महाशिवरात्रि से पहले होता है शिव विवाह

शशिकांत टिमोले। सागर

रहली मार्ग पर ढाना के नजदीक पटना गांव में बने ऐतिहासिक शिव मंदिर को पटनेश्वर धाम कहा जाता है। यहां के इतिहास और भक्तों की कहानी इस मंदिर को अपने आप में अनूठा बनाती हैं। करीब 800 साल पुराने इस मंदिर का निर्माण सागर के तत्कालीन राजा की पत्नी लक्ष्मी बाई खेर ने कराया था। लक्ष्मीबाई खेर अक्सर रहली जाया करती थीं और जाते समय उनका पड़ाव पटना गांव में पढ़ता था, यहां पर उन्होंने शिव मंदिर का निर्माण कराया था। गांव का नाम पटना होने के कारण मंदिर पटनेश्वर धाम कहलाने लगा। यहां भगवान शिव स्वयंभू हैं। भगवान भोलेनाथ यहां पंचायतन रूप में विराजमान है।

जहां तक भगवान शिव की बात करें, तो उनका विवाह महाशिवरात्रि के दिन होता है। ऐतिहासिक पटनेश्वर मंदिर में भगवान महादेव का विवाह समारोह बसंत पंचमी से शुरू हो जाता है और महाशिवरात्रि तक चलता है। खास बात ये है कि ये परंपरा करीब 100 साल पुरानी है और इसका उल्लेख गजेटियर में भी किया गया है। विवाह समारोह की परंपरा अनुसार, सबसे पहले तिलक का कार्यक्रम होता है। जिस तरह किसी

भी विवाह समारोह में सबसे पहले दूल्हे का तिलकोत्सव होता है, तो उसी तरह पटनेश्वर में भगवान महादेव की तिलकोत्सव होता है।

बाजीराव पेशवा से जुड़ा है मंदिर का इतिहास

मंदिर समिति के के मुताबिक सागर से करीब 20 किमी दूर ढाना कस्बे के नजदीक प्राचीन और ऐतिहासिक पटनेश्वर मंदिर स्थित है। मंदिर का निर्माण सागर की मराठा रानी लक्ष्मीबाई खैर द्वारा कराया गया था। उनके सपने में भगवान शिव आए थे, तब उन्होंने मंदिर का निर्माण करवाया। कहा जाता है कि रानी लक्ष्मीबाई खैर काफी धर्मपरायण थी और उन्होंने सागर के साथ-साथ रहली में कई मंदिरों का निर्माण कराया था। जिनमें हरसिद्ध मंदिर रानगिर, टिकीटोरिया मंदिर, पंढरीनाथ मंदिर और जगदीश मंदिर प्रमुख हैं। आज इस मंदिर की पहचान पटनेश्वर मंदिर के नाम से है और यहां कई तरह के आयोजन और कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं। दरअसल, महाराजा छत्रसाल और बाजीराव पेशवा के युद्ध के बाद बुंदेलखंड के इतिहास में मराठाओं का उदय हुआ था। महाराजा छत्रसाल वृद्धावस्था में पहुंच गए थे। तब मुगल शासक मोहम्मद बंगश ने उन पर हमला कर दिया था। जैतपुर में युद्ध के दौरान छत्रसाल हार रहे थे। इस दौरान उन्होंने कई हिंदू राजाओं से मदद मांगी थी लेकिन मुगलों से टकराने कोई तैयार नहीं था। तब बाजीराव पेशवा ने छत्रसाल की मदद की और छत्रसाल ने युद्ध जीतने पर बुंदेलखंड में बाजीराव पेशवा के लिए उपहार स्वरूप कई गढ़ भेंट किए थे।

न्यूज विंडो

यहां शिव प्रलयकारी बनकर करते हैं तांडव, भक्तों पर करते हैं कृपा

तेन्दूखेड़ा। भगवान भोले नाथ व मां पार्वती के विवाह का उत्सव संपूर्ण देश में श्रद्धा व धूमधाम से मनाया जा रहा है। भगवान महादेव की भक्ति में शक्ति है तो उनकी शिक्षाएं भी सफलता पाने की प्रेरणा देती हैं। शिव जी की ये विशेषताएं सफलता का मंत्र भी है। इस धार्मिक माहौल में हमने उन यूथ्स से बात की जो शिव भक्ति में लीन हैं, उन्होंने खुद को भगवान शंकर का अनन्य भक्त बताते हुए कहा कि भगवान भोलेनाथ अपने भक्तों पर शीघ्र कृपा करने वाले हैं। उनका व्यक्तित्व हमें अनेक प्रेरणा देता है। जिसमें सफलता पाने के लिए लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी है। उन्होंने ध्यान, मौन, अनुशासन और आत्म-चिंतन को महत्व दिया। वे भोलेनाथ बनकर कृपा करते हैं तो प्रलयंकारी बनकर तांडव भी करते है। पत्रकार पं दीपक कटारे का कहना है कि महाशिवरात्रि को पंचवटी मंदिर में सभी प्रहरों के अभिषेक के साथ महाआरती का आयोजन होगा जिसकी तैयारी लंबे वक्त से की जा रही है। भगवान शिव का व्यक्तित्व प्रेरणा देता है कि सफलता पाने के लिए आपको अपने लक्ष्य के प्रति ध्यान केंद्रित करने के साथ एकाग्रता धारण करने की आवश्यक्ता है। भगवान महादेव से अटूट धैर्य और दृढ़ता की शिक्षा भी मिलती है। शिवजी के इन गुणों को अपने भीतर विकसित कर हम प्रत्येक बाधा को दूर कर-के सफलता की ओर अग्रसर रह सकते हैं।

ऐतिहासिक विरासत से जुड़ने बम्हौरी पांजी स्कूल की शैक्षणिक यात्रा

तेंदूखेड़ा। पीएम श्री एकीकृत माध्यमिक शाला बम्हौरी पाँजी के विद्यार्थियों ने एक्स्पोज़र विजिट कार्यक्रम के अंतर्गत ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल जौतेश्वर का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस शैक्षणिक यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्थानीय ऐतिहासिक धरोहरों, सांस्कृतिक विरासत तथा प्राचीन इतिहास से प्रत्यक्ष रूप से अवगत कराना था, ताकि वे पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त कर सकें। भ्रमण में पीएम श्री विद्यालय के लगभग 55 से 60 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जौतेश्वर पहुंचकर विद्यार्थियों ने वहां स्थित मंदिर एवं अन्य ऐतिहासिक स्थलों का अवलोकन किया। शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को स्थल के इतिहास, स्थापत्य कला, धार्मिक महत्व तथा सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। प्रधानाध्यापक के मार्गदर्शन में आयोजित इस भ्रमण के दौरान प्रधानाध्यापिका सीमा दुबे, शिक्षकों में मीना नामदेव, दुर्गेश दुबे रुक्मणी ठाकुर , योगेंद्र ठाकुर ने विद्यार्थियों को विभिन्न ऐतिहासिक तथ्यों एवं महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराया। बच्चों ने भ्रमण के दौरान कई नई जानकारियां प्राप्त कीं और अपने अनुभव साझा किए।

नेट्रेक्स में हुई चोरी का चंद घंटों में खुलासा...

एक क्विंटल से अधिक कॉपर किया जब्त, कबाड़ी गिरफ्तार

धार/सागौर। दोपहर मेट्रो

पुलिस ने औद्योगिक क्षेत्र सागौर स्थित नेशनल ऑटोमोटिव टेस्ट ट्रैक नेट्रेक्स में हुई लाखों की चोरी के मामले में घटना के कुछ ही घंटों के भीतर चोरी गया माल बरामद कर एक कबाड़ी को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, घटना 12 फरवरी की दरमियानी रात की है। सागौर के ग्राम खंडवा स्थित नेट्रेक्स कंपनी के पावरट्रेन लैब के पीछे कंपाउंड की जाली काटकर अज्ञात बदमाशों ने लैब में लगी भारी मात्रा में कॉपर की पट्टियां पार कर दी थीं। कंपनी के मैनेजर शिवशंकर शर्मा की रिपोर्ट पर थाना सागौर में अपराध दर्ज किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी मयंक अवस्थी के निर्देशन एवं एएसपी पारुल बेलापुरकर व सीएसपी रवि सोनेर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी प्रकाश सरोदे के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तत्काल मुखबिर तंत्र सक्रिय किया। सूचना मिली कि मोनार्क होटल के पास कबाड़ी सुरेश राठौर ने भारी मात्रा में कॉपर खरीदा है। पुलिस ने जब कबाड़ी की दुकान पर दबिश देकर कड़ाई से पूछताछ की, तो उसने सागौर निवासी कैलाश, मेठु उर्फ राहुल एवं उतरु से कॉपर की पट्टियां खरीदना स्वीकार किया। पुलिस ने कबाड़ी सुरेश के यहां से 1 क्विंटल 16 किलोग्राम कॉपर पट्टियां जिसकी कीमत ढाई लाख से अधिक को बरामद किया है। कार्रवाई में एएसआई राजेश सिलोरिया, हेड कांस्टेबल ब्रजेश सिंह पंवार, अनिल राठौर, मनीष चौधरी, आरक्षक धर्मेंद्र यादव और अभिषेक का विशेष योगदान रहा। महज कुछ ही घंटों में इस बड़ी चोरी का खुलासा करने पर पुलिस कप्तान धार ने सागौर पुलिस टीम को उचित पुरस्कार देने की घोषणा की है।

दोस्त की शादी में जा रहे बाइक सवार तीन युवक पुल से गिरे, मौत

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा थानांतर्गत रात में एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जिसमें दोस्त की शादी में जा रहे बाइक सवार तीन युवक एक टूटे पुल से 30 फीट नीचे बाइक सहित नीचे जा गिरे। ऊंचाई से गिरने और नीचे बड़े बड़े पत्थर और पुल का मलबा डला होने के चलते उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के पीछे जिम्मेदारों की एक बड़ी लापरवाही सामने आई है जिन्होंने महीनों से क्षतिग्रस्त पुल होने के बाद भी वहां कोई सुरक्षा इंतजाम या संकेतकों को नहीं लगाया जिसके चलते यह हादसा सामने आया। शनिवार सुबह पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में शवों का पोस्टमार्टम कराया एवं मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद मृतकों के गांव में मातम पसरा है और मामले की जानकारी मिलने पर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री और गढ़ाकोटा विधायक गोपाल भार्गव ने सोशल मीडिया पर घटना की जानकारी साझा करते हुए घटना पर दुख जताते हुए मृतकों के परिवार को शोक संवेदनाएं व्यक्त की है जानकारी अनुसार सागर जिले के रहली थाना के छिरारी ग्राम निवासी अजय पिता दारा सिंह घोषी 21 वर्ष, अमित पिता दुर्गा कुर्मी 21 वर्ष, पवन पिता प्रकाश कुर्मी 22 वर्ष अपने दोस्त अजय पाल की शादी समारोह में शामिल होने के लिए समनापुर गांव जा रहे थे। इस दौरान वह हादसे के शिकार हो गए। घटना की सूचना पीछे चल रहे साथियों ने पुलिस एवं परिजनों को दी। सूचना मिलते ही तेन्दूखेड़ा थाना प्रभारी रावेन्द्र बागरी अपने बल के साथ मौके पर पहुंचे और करीब आधा घंटे तक रेस्क्यू कर तीनों को पुल से बाहर निकलकर स्वास्थ्य केंद्र लाया गया,जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना को लेकर मृतकों के पीछे चल रहे दो अन्य साथी भागीरथ कर्मी व सुमित के अनुसार मृतक रास्ते को समझ नहीं पाए। उनका दावा है कि जैसे ही वह झापन पहुंचे तो व्यारमा नदी के टूटे व जर्जर पड़े पुल छोड़ कर कुछ ही दूरी पर स्थित स्टाप डेम के ऊपर से निकलकर मुख्य मार्ग पर पहुंचें।

राई धुन न बजाने पर मारी थी गोली

सागर। दोपहर मेट्रो

पिछले दिनों एक बारात में बैंड बादक की गोली लगने से हुई मौत के मामले में खुलासा हुआ है. किशोर मृतक विवेक बंसल को गोली हर्ष फायर में नहीं लगी बल्कि जानबूझकर मारी गई थी.

इस तथ्य की पुष्टि पुलिस ने की है। पुलिस की पूछताछ में यह खुलासा हुआ है कि आरोपी प्रशांत पटेल ने बैंड बजा रहे 15 वर्षीय विवेक बंसल से लोक धुन राई बजाने को कहा लेकिन विवेक ने कहा कि वह थक गया है, थोड़ी देर से बजा देगा. इस पर नशे में धुत प्रशांत आग-बबूला हो गया और गालियां देते हुए पिस्टल निकालकर विवेक पर फायर कर दिया। गोली विवेक के सीने पर लगी गई और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने हत्या के मुख्य आरोपी प्रशांत को गिरफ्तार कर लिया और वारदात के संबंध में पूछताछ कर रही है। पुलिस की जांच में यह बात भी सामने आई है कि सोनी परिवार ने शादी में हर्ष फायर करने के लिए मकरोनिया की आकाश अमन सिक्योरिटी नाम की कंपनी से चार-पांच लोग किराए पर बुलाए थे। यह किराए के लोग भी बारात में शामिल थे, जिन्होंने बीच सड़क पर दर्जनों फायर किए। मामले में अब सिक्योरिटी एजेंसी और दूल्हे का परिवार भी पुलिस की रडार पर है। थाना पुलिस सिक्योरिटी एजेंसी सहित उनके शस्त्र लाइसेंस निरस्त कराने का प्रस्ताव भी उच्चस्तर पर भेजने की तैयारी कर रही है.

इस मामले में सीएसपी ललित कश्यप का कहना है कि नाबालिग को प्रशांत पटेल ने गोली मारी थी। आरोपी पुलिस की हिरासत में है। वारदात बाद आरोपी की मदद करने वालों को भी चिह्नित कर रहे हैं।

नीलकंठेश्वर धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर शिव मंदिरों में आस्था का अद्भुत सैलाब उमड़ पड़ा। नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु उदयपुर स्थित प्राचीन भगवान नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे और विधि-विधान से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर पुण्य लाभ अर्जित किया। हर-हर महादेव के जयघोष से समूचा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। महाशिवरात्रि के अवसर पर उदयपुर स्थित भगवान नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर को विशेष रूप से सुसज्जित किया गया। मंदिर परिसर को आकर्षक विद्युत सज्जा, पुष्पमालाओं और रंग-बिरंगी रोशनी से अलंकृत किया गया, जिससे वातावरण दिव्यता से ओत-प्रोत दिखाई दिया। प्रातः काल से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगना प्रारंभ हो गई थीं, भक्तों ने

दूध, दही, बेलपत्र, धतूरा और गंगाजल अर्पित कर भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया। श्रद्धालुओं में युवाओं, महिलाओं एवं बुजुर्गों का विशेष उत्साह देखने को मिला। अनेक श्रद्धालु परिवार सहित पहुंचकर भजन-कीर्तन में सम्मिलित हुए। वहीं शहर के अन्य शिवालयों में भी महाशिवरात्रि धूमधाम से मनाया गया।

मेट्रो एंकर हिन्दू सम्मेलन में दिया एकजुट रहने का दिया संदेश

हिंदू समाज को अर्जुन, भीम और भीष्म जैसी शक्ति प्राप्त करने की जरूरत: खेमरिया

सागर। दोपहर मेट्रो

सकल हिंदू समाज द्वारा तिली वार्ड संजय नगर सूर्योदय बस्ती का हिंदू सम्मेलन संपन्न हुआ. सम्मेलन में मुख्य अतिथि केशव गिरी महाराज,मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संघ चालक डॉ.गौरी शंकर चौबे, मातृशक्ति वक्ता के रूप में एकता खेमरिया उपस्थित थीं। सम्मेलन में केशव गिरी महाराज ने हिंदू समाज को एक जुट होने का संदेश दिया. उन्होंने संत रविदास की भक्ति का उदाहरण सुनाकर जीवन प्रवृत्ति में राम रस उतारने की बात कही।

मुख्य वक्ता गौरीशंकर चौबे ने संघ की 100 वर्ष की यात्रा का वृतांत सुनाया. उन्होंने गुरु तेग बहादुर के 350 वां बलिदान दिवस एवं भगवान बिरसा मुंडा के 150 वीं जयंती पर प्रकाश डाला। वक्ता एकता खेमरिया ने हिंदू समाज में जागृति के लिए महाभारत के प्रसंग को सुनाया. उन्होंने हिंदू समाज से अर्जुन भीम और भीष्म जैसी शक्ति प्राप्त करने की अपील की एवं संघ के पांच परिवर्तन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन भानु प्रताप ने किया एवं आभार प्रदर्शन हरिराम सिंह ने माना. कार्यक्रम में अरुण पल्नीटकर, मनोज, अभिषेक नेमा, मधुसूदन खेमरिया, विकासदीप सेन, पवन तिवारी, अनिल भट्ट, राजकुमार जाटव, सूर्य प्रताप आदि उपस्थित रहे।

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व चीतों के पुनर्वास के लिए तैयार

सागर। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व, वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व (नौरादेही), चीतों के पुनर्वास के लिए तैयार है। वन मंडल अधिकारी ने बताया कि चीता परियोजना के तहत, सॉफ्ट रिलीज बोमा निर्माण कार्य की निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। शीघ्र ही इसका का निर्माण कार्य प्रारम्भ कर दिया जाएगा। बोमा अफ्रीकी तकनीक है। जिसका उपयोग वन्यजीवों को पकड़ने और स्थानांतरित करने में किया जाता है। बोमा का उपयोग चीता पुनर्वास परियोजना में किया जा रहा है। यह एक विशेष, सुरक्षित और बड़ा घेरा या बाड़ा होता है, जिसका उपयोग अफ्रीका से लाए गए चीतों को भारत के नए माहौल में ढलने, स्वास्थ्य जांच, शिकार के लिए प्रशिक्षित करने और सॉफ्ट रिलीज (स्वतंत्र छोड़ने से पहले) के लिए किया जाता है। बोमा (बाड़े) में आने वाले चीतों को छोड़ा जाएगा। यहां चीतों के स्वास्थ्य की निगरानी की जाएगी। सीसीटीवी कैमरों से उनकी हर हरकत पर नजर रखी जाएगी।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला भोपाल

क्रमांक / 138 / खनिज / 2026 भोपाल, दिनांक 4/2/2026

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा / पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो) प्राप्त करने के लिए,

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री विकास शर्मा, आ. श्री सुनील शर्मा निवासी म.नं. बी-29, दीप फार्म हाउस कॉलोनी एयरपोर्ट तिराहा तहसील हुजूर जिला भोपाल (म.प्र.) द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाइन आवेदन पत्र दिनांक 02.02.2026 को प्रस्तुत किया गया है। प्रकाशन दिनांक से 30 दिवस तक की अवधि तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा / पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति आवेदन ऑनलाइन आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	आवेदित खसरा नंबर	आवेदित रकबा	भूमि का प्रकार शासकीय / निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
भोपाल	बैरसिया	पारदी	288/2 (एस)	रकबा 2.000 हे.	शासकीय	पत्थर (यांत्रिकी विधि द्वारा गिट्टी निर्माण)	-

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाइन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 06:00 बजे तक) ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगें। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
(खनिज)
जिला भोपाल

महामुकाबला: भारत-पाकिस्तान के बीच आज की टक्कर कौशल का नहीं, दबाव झेलने की

इंतजार खत्म

फैंस के लिए त्योहार से कम नहीं ये जंग

कोलंबो , एजेंसी

क्रिकेट फैंस के लिए यह वीकेंड किसी त्योहार से कम नहीं है। सुपर संडे पर भारत और पाकिस्तान के बीच एक नहीं, बल्कि दो-दो मुकाबले खेले जाएंगे। एक ओर जहां कोलंबो में जहां टी20 विश्व कप का हाई-वोल्टेज मुकाबला होगा, तो वहीं दूसरी ओर महिला क्रिकेट में इंडिया ए और पाकिस्तान ए की टीमें एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट में आमने-सामने होंगी। भारत और पाकिस्तान के बीच आर प्रेमदासा स्टेडियम में मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 का हाई-वोल्टेज मैच खेला जाना है। फैंस मुकाबले को लेकर बेहद उत्साहित हैं।

टीम इंडिया की कमान सूर्यकुमार यादव के हाथों में है, जबकि पाकिस्तान की अगुवाई सलमान अली आगा कर रहे हैं. भारत ने अपने पिछले मुकाबलों में अमेरिका और नामीबिया को हराया है, जबकि पाकिस्तान ने नीदरलैंड्स और अमेरिका पर जीत दर्ज की है। भारत-पाकिस्तान का मुकाबला हमेशा भावनाओं से जुड़ा होता है। दोनों देशों के फैंस इस मैच का बेसब्री से इंतजार करते हैं. कोलंबो की पिच स्पिनरों को मदद दे सकती है, ऐसे में रणनीति और टीम संयोजन अहम भूमिका निभाएंगे।

भारत की टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन, शिवम दुबे, ईशान किशन, हार्दिक पांड्या, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रिंकू सिंह।

पाकिस्तान की टीम

सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमान, ख्वाजा नफे, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सैम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक।

ग्रुप में एक में प्वाइंट टेबल में शीर्ष पर है भारत

ग्रुप-ए की प्वाइंट्स टेबल में भारत शुरूआती दोनों मुकाबले जीतकर शीर्ष पर है। टीम इंडिया ने यूएसए के खिलाफ अपना पहला मैच 29 रन से जीता था, जिसके बाद नामीबिया को 93 रन से रौंदा। दूसरी ओर, ग्रुप-ए की अंकतालिका में दूसरे पायदान पर मौजूद पाकिस्तान ने भी अपने शुरूआती दोनों मुकाबले जीते हैं। इस टीम ने नीदरलैंड के खिलाफ पहला मैच 3 विकेट से जीता था, जबकि यूएसए ने अपने पहले मैच को 32 रन से जीता।

मेन इन ब्लू का पलड़ा भारत

टी20 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक कुल 8 मैच खेले गए हैं, जिसमें मेन इन ब्लू का पलड़ा भारी रहा है। टीम इंडिया ने 7 मुकाबले अपने नाम किए हैं, जबकि पाकिस्तान को साल 2021 में इकलौती जीत मिली थी। भारत ने आर प्रेमदासा स्टेडियम में साल 2009 से अब तक 15 टी20 मैच खेले हैं, जिसमें 11 जीते और सिर्फ 4 मुकाबलों में हार मिली।

कोलंबो का मौसम-कितनी है बारिश की आशंका?

» मुकाबला कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में होना है और मौसम रिपोर्ट ने चिंता बढ़ा दी है।
दिन में बारिश की संभावना लगभग 65 प्रतिशत बताई जा रही है।
» शाम होते-होते खतरा थोड़ा घटता दिखता है, लेकिन मैच के शुरुआती घंटों में फिर भी बादल डेरा डाले रह सकते हैं।
» उमस ज्यादा रहेगी और हल्की-मध्यम हवा चलने की उम्मीद है।
ऐसे में फैंस की नजर हर ओवर से पहले आसमान पर भी रहेगी।

मैच का नतीजा पाने के लिए न्यूनतम शर्त

» आईसीसी के नियम साफ हैं, टी20 मुकाबले में परिणाम के लिए कम से कम पांच-पांच ओवर का खेल होना जरूरी है।
» अगर बारिश या गीली आउटफील्ड के कारण यह न्यूनतम खेल भी संभव नहीं हो पाता, तो मैच अमान्य घोषित कर दिया जाता है।

अगर मैच धुल गया तो क्या होगा?

» सबसे अहम बात, ग्रुप स्टेज मैचों के लिए कोई रिजर्व डे नहीं है। यानी-
» दोनों टीमों को एक-एक अंक मिल जाएगा।
» नेट रन रेट पर कोई असर नहीं पड़ेगा क्योंकि मैच हुआ ही नहीं।
» आगे की क्वालिफिकेशन की तस्वीर दूसरी टीमों के नतीजों पर ज्यादा निर्भर हो जाएगी।

रणनीतिक असर

» एक-एक अंक कभी-कभी सोने जैसा होता है।
» अगर ग्रुप कड़ा है, तो वॉशआउट किसी टीम को सेमीफाइनल की दौड़ में जिंदा रख सकता है।
» वहीं, मजबूत टीमों के लिए यह दो अंक गंवाने जैसा महसूस हो सकता है।
» हालांकि, ग्रुप-ए में भारत और पाकिस्तान मजबूत स्थिति में है..एक-एक अंक दोनों को नुकसान नहीं करेगा।
» भारत अभी ग्रुप-ए में शीर्ष पर है, जबकि पाकिस्तान ग्रुप-ए में दूसरे स्थान पर है।
» दोनों का सुपर-8 में पहुंचना लगभग निश्चित है और सुपर-8 की सीडिंग पहले से तैयार है।

कप्तान सलमान आगा ने खेल भावना पर दिया जोर

भारतीयों से हाथ मिलाने के लिए तरस रहा पाक?

कोलंबो , एजेंसी

भारत और पाकिस्तान के बीच कोलंबो में रविवार को टी20 विश्व कप का मुकाबला खेला जाना है। पिछले साल एशिया कप के दौरान भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाए थे और नो हैंडशेक की नीति बरकरार रखी थी। अब जब एक बार फिर दोनों टीमें आमने-सामने होंगी तो यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय खिलाड़ियों का रुख क्या होता है। हालांकि, पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा भारतीय खिलाड़ियों से हाथ मिलाने के लिए तरस रहे हैं और उन्होंने एक बार फिर खेल भावना पर जोर दिया है।

आगा ने भारत के पाले में डाली गेंद- सलमान आगा ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच मैच खेल भावना के तहत खेला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी टीम भारतीय खिलाड़ियों से हाथ मिलाने के लिए तैयार है। भारत के खिलाफ होने वाले मैच से पहले सलमान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, क्रिकेट को खेल भावना के साथ खेला जाना चाहिए।

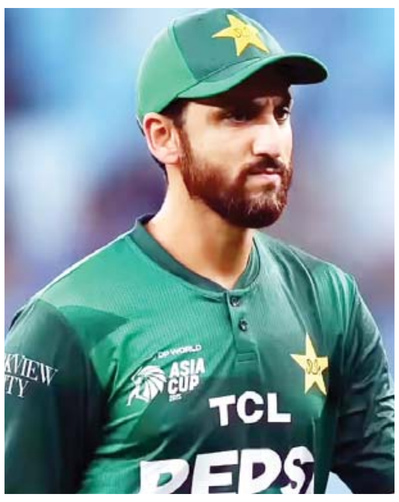

मेरी निजी राय शायद मायने न रखती हो, लेकिन क्रिकेट को उसी तरह खेला जाना चाहिए जैसे वह हमेशा से खेला जाता रहा है। आगे क्या करना है, यह तय करना उन्हीं पर निर्भर है।

क्यों पाकिस्तान से हाथ नहीं मिला रहे भारतीय खिलाड़ी

पिछले साल एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच तीन मुकाबले हुए थे और इन सभी मैचों में भारतीय खिलाड़ियों ने नो हैंडशेक नीति का पालन किया था।
कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी पाकिस्तान कप्तान सलमान अली आगा से अभिवादन नहीं किया था।
भारत ने यह रुख पहलगाम हमले के विरोध में जताया था। पहलगाम में पिछले साल आतंकी हमला हुआ था।
भारत ने पहलगाम हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर नाम से सैन्य अभियान चलाया था और पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया था।
ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान तिलमिला गया था जिसके बाद दोनों देशों के बीच सैन्य टकराव बढ़ गया था।
ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार एशिया कप में ही भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमों के बीच मुकाबला हुआ था जिस दौरान भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों को आईना दिखाया था।

30 किमी समंदर फतह कर सात साल के रेयांश खामकर ने रचा इतिहास, बनाया विश्व रिकॉर्ड

ठाणे , एजेंसी

ठाणे के सात वर्षीय रेयांश खामकर ने अरब सागर की लहरों को चीरते हुए 30 किलोमीटर की ऐतिहासिक तैराकी पूरी कर विश्व पटल पर शहर और देश का नाम रोशन किया है। रेयांश ने 15 नवंबर 2025 को महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में मालपे जेट्टी से विजयदुर्ग तक की दूरी महज 7 घंटे 30 मिनट 11 सेकंड में तय की। इस अद्भुत उपलब्धि के साथ उनका नाम वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हो गया है।

सात साल की उम्र में यह कारनामा कर रेयांश इस दूरी को तय करने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बन गए हैं। उनकी इस उपलब्धि ने पूरे ठाणे शहर को गौरवान्वित कर दिया है। ठाणे की मेयर शर्मिला पिंपलोलकर ने रेयांश को सम्मानित करते हुए कहा कि यह

उम्र छोटी पर हौसला बुलंद

पूरे शहर के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में ऐसा साहस, समर्पण और अनुशासन दुर्लभ है। रेयांश ठाणे नगर निगम के स्विमिंग पूल में कोच कैलाश अखाड़े के मार्गदर्शन में नियमित अभ्यास करते हैं। उनकी मेहनत और निरंतर प्रशिक्षण ने ही इस सफलता की नींव रखी है।

यह पहली बार नहीं है जब रेयांश ने रिकॉर्ड बनाया हो। महज छह साल की उम्र में उन्होंने 15 किलोमीटर की तैराकी कर इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया था। पिछले एक वर्ष में वे राज्य और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में 13 पदक जीत चुके हैं।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

वेलेंटाइन डे : कृति खरबंदा ने पति पुलकित सम्राट पर लुटाया प्यार, शेयर की रोमांटिक तस्वीर

मुंबई। वेलेंटाइन डे के मौके पर हर कोई अपने पार्टनर के साथ प्यार का इजहार अपने तरीके से कर रहा है, तो वहीं अभिनेत्री कृति खरबंदा ने भी पति पुलकित सम्राट के लिए एक खास पोस्ट किया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी और पुलकित की रोमांटिक तस्वीर पोस्ट की। इसमें दोनों कैजुअल लुक में नजर आ रहे हैं।

तस्वीर में दोनों की केमिस्ट्री देखते ही बनती है। जहां कृति ने रेड कलर का ड्रेस पहना हुआ है, वहीं पुलकित वाइट कलर के पैंट-शर्ट में हैं। दोनों एक-दूसरे को परफेक्ट मैच कर रहे हैं। यह तस्वीर उनकी रोजमर्रा की जिंदगी की झलक

दिखाती है, जहां प्यार छोटी-छोटी बातों में झलकता है। कृति ने लिखा, हेलो वेलेंटाइन। फैंस को कृति की पोस्ट काफी अच्छी लग रही है और साथ ही, वे इसे देखकर काफी इमोशनल भी हो गए हैं। कई यूजर्स ने तो हार्ट इमोजी के साथ प्रतिक्रिया भी दी है। कृति और पुलकित शादी के बाद से ही सोशल मीडिया पर अपने क्यूट मोमेंट्स पोस्ट करते रहते हैं। वे अपनी वेकेशन की तस्वीरें, सेलिब्रेशन और रोजमर्रा की जिंदगी की छोटी-मोटी झलक भी फैंस के साथ शेयर करते रहते हैं, जिससे फैंस भी उनके प्यारे पलों को देखकर उनसे कनेक्ट होते हैं।

अपने-अपने प्रोजेक्ट को लेकर व्यस्त हैं दोनों

इन दिनों पुलकित और कृति दोनों ही अपने आने वाले प्रोजेक्ट को लेकर व्यस्त हैं और प्रोफेशनल लाइफ के साथ पर्सनल लाइफ को खूबसूरती से बैलेंस कर रहे हैं। अभिनेता पुलकित सम्राट जल्द ही वेब सीरीज %ग्लोरी% ओटीटी पर डेब्यू करने जा रहे हैं। सीरीज में वे एक बॉक्सर के रूप में नजर आएंगे। यह एक मशहूर कोच और उसके दो बेटों की भावनात्मक कहानी है, जिसमें दोनों भाई ओलंपिक में जाने का सपना देखते हैं, लेकिन उनके बीच पुरानी रंजिश, अधूरी भावनाएं, भाईचारे की प्रतिस्पर्धा और बदले की भावना सब कुछ बिगाड़ देती है। इससे पहले अभिनेता पुलकित सम्राट हाल ही में फिल्म %राहु-केतु% में नजर आए थे। फिल्म के जरिए पुलकित और वरुण शर्मा की जोड़ी फिर से नजर आई थी। हालांकि, फिल्म को दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी।

हर दिन को जीना चाहिए, कैंसर सर्वाइवर हिना खान ने बताया जिंदगी के प्रति अपना नजरिया

कैंसर सर्वाइवर टीवी एक्ट्रेस हिना खान हाल ही में सर एच.एन. रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल द्वारा आयोजित ऑन्कोलॉजी लीडरशिप टाउनहॉल %इलुमिनेट 3.0 में पहुंची। अभिनेत्री ने कैंसर के बारे में लोगों को जागरूक किया और बताया कि कैंसर होने का मतलब सीधा मौत नहीं है; अगर समय पर स्क्रीनिंग और जांच हो जाए तो इस बीमारी से भी लड़ा जा सकता है। इसके अलावा, उन्होंने यह भी बताया कि पूरी जर्नी के दौरान और आज भी उनके पति रॉकी और उनके पूरे परिवार ने कैसे उनका साथ दिया है। इवेंट में पहुंची हिना खान ने मंच से कहा, मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे यहां सांस्कृतिक कार्यक्रम में आने का अवसर मिला है। डॉक्टरों के सहयोग से ही मैं आज यहां खड़ी हूं, और मेरे परिवार के प्यार और मेरे पति रॉकी की हिम्मत की वजह से ही मैं आज ठीक हूं। शादी के बाद भी हमारे रिश्ते में किसी तरह का कोई बदलाव नहीं आया, वे आज भी पहले की तरह ही देखभाल करते

हैं। अपनी कैंसर जर्नी पर बात करते हुए हिना ने कहा, मैं काफी समय से इस जर्नी से गुजर रही हूं और आज भी रिकवर करने की कोशिश कर रही हूं। लोग मुझसे सवाल करते हैं कि आपने क्या किया, लेकिन ये जरूरी नहीं कि जो मैंने किया, वो हर किसी पर कारगर साबित हो क्योंकि सबकी बॉडी अलग होती है। मैं बस इतना कहना चाहूंगी कि लोगों को आज में जीना चाहिए। किसी भी हालत में खुश रहना चाहिए क्योंकि नहीं पता कब क्या हो जाए। जो लोग हेल्दी हैं, वो भी अचानक से बड़ी बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं, तो हर पल को खुलकर जीना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, मैं वो हर चीज कर रही हूं जो मुझे करनी है। मैंने डॉक्टर से कहा कि मुझे आइसलैंड जाना है और बर्फ के पानी में बाथ लेना है और दुनिया की अलग-अलग जगहों पर ट्रैवल करना है।

मेट्रो बाजार

एमएसएमई क बढ़ना विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के लिए होगा अहम : रिपोर्ट में दावा

मुंबई । देश को विकसित भारत 2047 लक्ष्य पाने के लिए 10 प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इसमें फ्यूचर-रेडी वर्कफोर्स तैयार करना, मैन्युफैक्चरिंग प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाना और एमएसएमई को मजबूत करना शामिल है। यह जानकारी एक नई रिपोर्ट में दी गई। केपीएमजी की रिपोर्ट में कहा गया कि फ्यूचर-रेडी वर्कफोर्स के निर्माण का पहला कदम शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार की निरंतरता को क्रियान्वित करना, शिक्षुता कार्यक्रमों का विस्तार करना और गहन तकनीकी क्षमता का निर्माण करना है जिससे टैलेंट मैन्युफैक्चरिंग, सर्विसेज और उभरती टेक्नोलॉजी में नौकरी के लिए तैयार हो सके। रिपोर्ट में कंपोनेंट का स्थानीयकरण करके, इंडस्ट्री 4.0 को अपनाकर, फैक्ट्रियों की उत्पादकता बढ़ाकर और निर्यात और गुणवत्ता मानकों के साथ क्लस्टरर्स को निकटता से जोड़कर मैन्युफैक्चरिंग को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के कदमों के बारे में बताया गया। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया कि लघु एवं मध्यम उद्यमों को नकदी प्रवाह आधारित क्रेडिट, समूह-आधारित उत्पादकता कार्यक्रमों, डिजिटलीकरण अपनाने और प्रमुख आपूर्ति श्रृंखलाओं से जुड़े संरचित निर्यात प्रोत्साहन के माध्यम से अस्तित्व बनाए रखने के बजाय विस्तार करने की ओर बढ़ना चाहिए। अन्य प्राथमिकताओं में एकीकृत इन्फ्रास्ट्रक्चर और निर्यात विविधीकरण के साथ व्यापार प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार शामिल हैं। बिजनेस एडवाजरी फर्म ने कहा, ÷बहुआयामी गलियारों का विकास करके, अंतिम मील और औद्योगिक कनेक्टिविटी में सुधार करके परिसंपत्ति निर्माण को प्रणालीगत स्तर की उत्पादकता में परिवर्तित करें।

आईटी सर्विसेज को समाप्त नहीं करेगा एआई काम के नए अवसर होंगे पैदा : जेपी मॉर्गन

नई दिल्ली । जेपी मॉर्गन की एशिया पैसिफिक इक्विटी रिसर्च टीम की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) द्वारा आईटी सेवा कंपनियों को जल्द ही प्रतिस्थापित करने की संभावना नहीं है। आईटी इंडस्ट्री को छोटा करने के बजाय, एआई से कंपनियों को समान बजट में अधिक काम करने में मदद मिलेगी। अपनी रिपोर्ट में जेपी मॉर्गन ने कहा कि एआई आईटी कंपनियों को समाप्त कर सकता है। इस डर को काफी बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि एआई आईटी कंपनियों के लिए अवसर घटाएगा नहीं, बल्कि नए क्षेत्रों में अवसर पैदा करेगा। ब्रोकरेज फर्म ने एआई की तुलना पहले के तकनीकी बदलावों जैसे कि ऑफशोर लेबर, एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर और क्लाउड कंप्यूटिंग से की। इन सभी चक्रों में, नई तकनीक ने आईटी सेवाओं को खत्म नहीं किया, बल्कि कंपनियों के काम करने के तरीके को बदल दिया। रिपोर्ट के अनुसार, एआई भी इसी तरह की भूमिका निभाएगा, जिससे कंपनियों को

बजट बढ़ाए बिना अधिक परियोजनाओं को संभालने में मदद मिलेगी। जेपी मॉर्गन ने कहा कि पुराने पारंपरिक सिस्टमों को आधुनिक बनाने, आवश्यकतानुसार अनुकूलित एसएएएस एप्लिकेशन को फिर से लिखने, संचालन के लिए एआई एजेंट बनाने, एआई सिस्टमों में विश्वास और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने और भौतिक एआई समाधानों को एकीकृत करने जैसे क्षेत्रों में मांग बढ़ रही है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इन सभी क्षेत्रों में मजबूत आईटी सर्विस सपोर्ट की आवश्यकता होगी।

त्रिवेणी संगम में श्रद्धालुओं की भीड़

महाशिवरात्रि पर संगम स्नान के लिए उमड़े श्रद्धालु, माघ मेले का आज अंतिम स्नान

प्रयागराज, एजेंसी

गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती नदी के पवित्र संगम की रेती पर लगे विश्व के सबसे बड़े धार्मिक और आध्यात्मिक सालाना मेले का आज 44वां और अंतिम दिन है। माघ मेले के छठवें और आखिरी स्नान पर्व यानी महाशिवरात्रि पर त्रिवेणी संगम में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु ब्रह्म मुहूर्त से ही त्रिवेणी संगम के विभिन्न घाटों पर आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। मेला अधिकारी ऋषिराज के मुताबिक सुबह अब तक 50 लाख से ज्यादा श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। शाम तक आंकड़ा एक करोड़ तक पहुंच सकता है। वहीं, ग्रहों नक्षत्रों का अद्भुत संयोग महाशिवरात्रि के पर्व को कई गुना फलदाई बना रहा है। आज के दिन अन्न,वस्त्र और स्वर्ण दान का विशेष महत्व है।

भोपाल के शिवालयों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ रही। लोगों ने भगवान शिव का अभिषेक किया।

साढ़े तीन किलोमीटर लंबे घाट पर स्नान कर रहे श्रद्धालु

सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम किए गए हैं। पुलिस और प्रशासन के भी आलाधिकारी ग्राउंड जीरो पर मौजूद हैं। माघ मेले में बनाए गए साढ़े तीन किलोमीटर लंबे घाट पर श्रद्धालु स्नान कर रहे हैं।

एटीएस के कमांडो भी मेले में चप्पे पर

माघ मेले में सुरक्षा के लिए जहां यूपी पुलिस, पीएसी और आर ए एफ को तैनात किया गया है। वहीं एटीएस के कमांडो भी मेले में चप्पे पर नजर रख रहे हैं। मेले की सुरक्षा मे 400 सीसीटीवी कैमरों से कराई जा रही है। इसमें डेढ़ सौ से ज्यादा एआई कैमरे भी लगाए गए हैं।

सुरक्षा के खास इंतजाम

महाशिवरात्रि के पर्व पर श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में स्नान कर शिवालयों में भगवान शिव का अभिषेक करते हैं। शिवालयों में भी सुरक्षा के खास इंतजाम किए गए हैं। प्रयागराज के मनकामेश्वर समेत सभी पौराणिक शिवालयों में जलाभिषेक के लिए रविवार सुबह से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ है।माघ मेले में अब तक 22 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं, जो कि अब तक के माघ मेले में सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। महाशिवरात्रि के इस छठवें और अंतिम स्नान पर्व के साथ ही माघ मेला 2026 का औपचारिक समापन भी हो जाएगा।

न्यूज विंडो

हिमाचल के सराज में जीप हुई दुर्घटनाग्रस्त, तीन युवकों की मौत

थुनाग (मंडी)। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर थुनाग क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें तीन युवकों की मौत हो गई। यह हादसा एमडीआर-91 लम्बाथाच-कल्हणी सड़क पर बुनालीधार के निकट तड़के करीब सुबह 4 बजे हुआ। दुर्घटनाग्रस्त जीप में सवार चार युवक थे, जो बगस्याड़-रहीधार क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक ने अस्पताल पहुंचने के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों में हृतिक ठाकुर (19 वर्ष, गांव रहीधार, डाकघर बगस्याड, तहसील थुनाग), सुनील (17 वर्ष, गांव वह, डाकघर केलोधार, तहसील चच्योट) और ईशान (18 वर्ष, गांव थरजूण, तहसील चच्योट) शामिल हैं। घायल कुशाल (18 वर्ष, गांव वह, तहसील चच्योट) को प्राथमिक उपचार के बाद नेरचौक मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जीप अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हुई। शिवरात्रि के दिन यह हादसा स्थानीय लोगों के लिए बेहद दुखद रहा।

मुख्तार के करीबी वकील का कत्ल गोलियों से छलनी थी शोएब की लाश

बाराबंकी । पूर्व विधायक व माफिया मुख्तार अंसारी के करीबी अधिवक्ता शोएब किदवई उर्फ बॉबी की हाईवे पर दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या के मामले में क्राइम ब्रांच समेत पुलिस की पांच टीमें सरगर्मी से छानबीन कर रही हैं। पुलिस ने जहां शोएब के चालक और तीन अन्य परिचितों से सघन पूछताछ की है वहीं लखनऊ में मृतक के घर से बाराबंकी घटनास्थल तक मोबाइल टावरों के डंप डेटा भी उठाया है। पुलिस हर उसे व्यक्ति की घटना के वक्त की लोकेशन ट्रेस कर रही है जो शोएब से किसी ने किसी मामले में जुड़ा था। हाईवे पर प्रमुख मार्गों के करीब ढाई सौ सीसीटीवी कैमरे की रिकॉर्डिंग पुलिस ने देखी है और इनको लगातार देखा जा रहा है। घटना के दूसरे दिन भी पुलिस घटनास्थल और आसपास सघन जांच की और और क्राइम सीन को रीटेक करके दिखा।

दोपहर करीब एक बजे लखनऊ के से बाराबंकी आते वक्त हाईवे के असेनी मोड़ की सर्विस रोड पर शोएब किदवई बॉबी की हत्या हुई थी। पल्सर सवार दो हेलमेट लगाए बदमाश तेजी से आया और उनकी कार में गोलियां बरसाकर चले गए थे। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि हमलावरों तक पहुंचने की पहली ठोस कड़ी कहां से मिलेगी।

रुबियो बोले- एक्स्ट्रा खरीद पर रोक की डील

भारत अपनी जरूरत का तेल रूस से खरीदता रहेगा

म्यूनिख, एजेंसी

अमेरिका के साथ ट्रेड डील के बीच भारत द्वारा रूस से तेल नहीं खरीदने के दावे गलत साबित हो रहे हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसको लेकर भारत का पक्ष रख दिया था और अब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो का भी बयान आ गया है। म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस के मौके पर रुबियो ने कहा कि अमेरिका ने भारत से 'अतिरिक्त रूसी तेल की खरीद रोकने' की प्रतिबद्धता हासिल की है। यानी, भारत मौजूदा वक्त में रूस से जितना तेल खरीद रहा है उतना वह खरीदते रहेगा। इससे यूएस-इंडिया ट्रेड डील की कई चीजें स्पष्ट हो जाती हैं। भारत की ओर से भी कहा गया है कि रूस से तेल खरीदने पर कोई बाहरी रोक नहीं लग सकती, क्योंकि भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता और ऊर्जा सुरक्षा को सर्वोपरि मानता है।

अमेरिका ने भारत की स्वतंत्र नीति को अप्रत्यक्ष रूप से दी मान्यता

हालिया भारत-अमेरिका ट्रेड डील के बाद यह बयान आया है, जिसमें अमेरिकी प्रशासन ने भारत की स्वतंत्र नीति को अप्रत्यक्ष रूप से मान्यता दी है। रुबियो ने शनिवार को जर्मनी में म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा- हम नहीं जानते कि रूस यूक्रेन युद्ध खत्म करने को लेकर गंभीर है या नहीं। उन्होंने आगे कहा कि रूस ने संघर्ष समाप्त करने की इच्छा जताई है, लेकिन शर्तें और यूक्रेन के लिए स्वीकार्यता पर सवाल बने हुए हैं। अमेरिका दोनों पक्षों के बीच स्वीकार्य समझौते की संभावना की पड़ताल करता रहेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि यूक्रेन को सैन्य सहायता जारी है, रूस पर दबाव नहीं रुका है और हाल ही में रूस के तेल पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाए गए हैं। कई रिपोर्ट्स में उल्लेख है कि भारत ने रूसी तेल आयात को पहले से ही कम किया है. 2025 के मध्य में लगभग 20 लाख बैरल प्रतिदिन से घटकर हाल में 12 लाख बैरल के आसपास पहुंच गया है। यह कमी बाजार की स्थिति, कीमतों और विविधीकरण के कारण है, न कि किसी दबाव के कारण।

टीपू सुल्तान पर सियासी संग्राम

टीपू ने तुम्हारे वीर की तरह अंग्रेजों को लव लेटर नहीं लिखे: औवेसी

हैदराबाद। छत्रपति शिवाजी महाराज और टीपू सुल्तान की तुलना पर महाराष्ट्र में सियासी संग्राम मचा हुआ है। महाराष्ट्र के कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल की टिप्पणी को सीएम देवेंद्र फडणवीस ने शर्मनाक करार दिया, जिसके बाद अब असदुद्दीन ओवैसी ने वीर सावरकर को लेकर भाजपा पर हमला बोला।

हैदराबाद सांसद और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधते हुए कहा कि टीपू सुल्तान अंग्रेजों से लड़ते हुए शहीद हुए थे, उन्होंने अंग्रेजों को लव लेटर नहीं लिखे, जैसा वीर सावरकर ने किया था। इसी के साथ उन्होंने वीर सावरकर को

भारत रत्न देने की मांग की आलोचना करते हुए कहा कि जस्टिस कपूर कमीशन ने महात्मा गांधी की हत्या का सावरकर को साजिशकर्ता बताया था। हैदराबाद में अपने संबोधन में ओवैसी ने कहा कि 1799 में टीपू सुल्तान की शहादत हुई, अंग्रेजों से लेकर लड़कर टीपू की शहादत हुई, जेल में बैठकर टीपू ने तुम्हारे वीर की तरह अंग्रेजों को छह-छह लव लेटर नहीं लिखे कि माफ कर दो, तुम जो बोलोगे मैं करूंगा।

मुनीर-शहबाज की बेइज्जती, मिला 7 दिनों का अल्टीमेटम

बीएलए लड़ाकों के सामने घुटनों पर बैठ सेना का सरेंडर

क्वेटा। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के सामने असीम मुनीर की सेना ने सरेंडर कर दिया है। पाकिस्तानी सैनिकों ने बीएलए लड़ाकों के सामने घुटने के बल बैठकर सरेंडर कर दिया है। इससे मुनीर और शहबाज की अंतरराष्ट्रीय बेइज्जती हो रही है। बलूचिस्तान ने 7 पाकिस्तानी सैनिकों को बंधक बनाने के बाद पाकिस्तान सरकार को बड़ा अल्टीमेटम जारी किया है। पाकिस्तानी सैनिकों के सरेंडर की तस्वीरें सोशल मीडिया पर मुनीर और शहबाज की गीदड़भभकियों की कलई खोल रही हैं। मुनीर की सेना को घुटने टेकवाने के बाद बीएलए के लड़ाकों ने पाक को

सात दिनों का अल्टीमेटम जारी किया है, जिसमें उन्होंने सात पाक सैन्यकर्मियों को बंदी बनाए जाने का दावा किया है।

सड़क पर पलटा तेल से भरा ट्रक, लूटने के लिए दौड़े लोग

मंडला। मंडला में तेल से भरा एक ट्रक पलट गया। जिसके बाद लोगों ने असंवेदनशीलता का परिचय देते हुए तेल लूटना शुरू कर दिया। नेशनल हाईवे 30 के बिछिया थाना क्षेत्र के घुटास गांव के पास की यह घटना है। रुचि स्टार तेल से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। जिसके बाद ट्रक में लोड तेल की पेटियां सड़क किनारे बिखर पड़ीं। जैसे ही स्थानीय लोगों को इसकी सूचना मिली, तेल की पेटियां

लूटने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ने लगी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें लोग तेल की पेटियां लूटते नजर आ रहे हैं।

मेट्रो एंकर

उज्जैन के इमाम ने कहा-इस्लाम इसकी इजाजत नहीं देता

हम हिन्दुस्तान की जमीन को नहीं पूज सकते...

उज्जैन, एजेंसी

केंद्र सरकार के उस फैसले को लेकर देश के कई हिस्सों में विरोध के स्वर सुनाई देने लगे हैं, जिसमें राष्ट्रगीत वंदे मातरम को राष्ट्रगान जन गण मन की तरह सम्मान देने को अनिवार्य किया गया है। इस फैसले को लेकर जहां एक ओर समर्थन देखने को मिल रहा है। वहीं दूसरी ओर कुछ वर्गों में असहमति भी सामने आ रही है। फिलहाल, यह मुद्दा सामाजिक और संवैधानिक बहस का विषय बन गया है। अब इस फैसले की गूंज मध्य प्रदेश के उज्जैन तक भी पहुंच गई है। शहर के इमाम मुफ्ती सैय्यद नासिर अली नदवी ने इसे धार्मिक मान्यताओं से जुड़ा मुद्दा बताते हुए सरकार से फैसले पर पुनर्विचार की अपील की है।

एक खुदा के साथ हम किसी को शरीक नही कर सकते...

इमाम मुफ्ती सैय्यद नासिर अली नदवी ने कहा कि हमारा जो मुल्क, हिन्दुस्तान है। वहां पर कई खुद को मानने वाले लोग भी हैं और एक खुदा को भी मानने वाले लोग हैं। हम एक से यह नहीं कह सकते हैं कि आप एक से ज्यादा को मानें। या फिर जो करोड़ों खुदा को मान रहे हैं। उन्हें यह नहीं कह सकते हैं कि आप एक को मानें। हिन्दुस्तान ऐसा चमन है, यहां हर तरह के फूल को रखा गया है। उन्होंने कहा कि वन्दे मातरम जो हमारा राष्ट्रीय गीत है। उसमें साफ तौर पर लिखा है कि हम इस धरती की पूजा करते हैं। इस्लाम इस बात की इजाजत नहीं देता। इस्लाम का जो असल आधार है एकेश्वरवाद। इस्लाम में एक खुदा के साथ हम किसी को शरीक नही कर सकते। न हम हिन्दुस्तान की जमीन को पूज सकते हैं और न हम मक्का मदीना की जमीन को पूज सकते हैं। हम मोहम्मद साहब को भी पूजते नहीं है। हम उनके मार्गदर्शन पर चलते हैं। इस्लाम एकेश्वरवाद पर आधारित है और हम इसको बिल्कुल छोड़ नहीं सकते हैं।

सरकार से फैसला वापस लेने की अपील की

उन्होंने कहा कि हम हुकूमत से आग्रह करेंगे कि इस तरह का कोई भी कार्यक्रम ना चलाएं, जो किसी धर्म को ठेस पहुंचाते हों। या आस्था पर हमला करते हैं। हम चाहेंगे कि इस फैसले को वापस ले लें। हम अपने बच्चों को स्कूल क्या ऐसी किसी जगह नहीं भेज सकते, जहां उनके ईमान के साथ सौदा होता हो। हिंदुस्तान की पूजा का हमारे यहां बिल्कुल जिक्र नहीं है। इस्लाम इसकी बिल्कुल इसकी इजाजत नहीं देता है।

ये जिन्ना की सोच वाले लोग: मिलन भार्गव

भाजपा प्रवक्ता मिलन भार्गव ने उज्जैन के इमाम द्वारा वंदे मातरम को लेकर दिए गए बयान पर कहा कि जो लोग वंदे मातरम को लेकर इस तरह के बयान दे रहे हैं असल में वह जिन्ना की सोच वाले लोग हैं, जब कोई नियम कानून देश में लागू हुआ है तो प्रजातांत्रिक देश होने के चलते उसे सबको मानना जरूरी होता है। ऐसे में कोई उसे मानने से कैसे इंकार कर सकता है। यह किसी की पसंद ना पसंद का विषय नहीं है बल्कि है देश हित का विषय है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564